वैशाख कृष्ण पक्ष-11, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 318 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
04 मई 2024 शनिवार

आज का मौसम
38 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

भाजपा उम्मीदवार के काफिले में जमकर हर्ष फायरिंग, हड़कंप

गौंडा , एजेंसी।

बहुचर्चित कैसरगंज संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी करण भूषण सिंह के काफिले में फायरिंग से हडकंप है। हर्ष फायरिंग में गोलियों की तड़तड़ाहट के साथ धुआं भी दिखाई पड़ा। करण, सांसद बृजभूषण सिंह के छोटे बेटे हैं। उन्होंने दलबल के साथ नामांकन किया था। शनिवार को विश्नोहरपुर से जब सुबह काफिला निकला तो तरबगंज विधानसभा क्षेत्र में बेलसर (रगड़गंज) बाजार का इलाका गोलियों से गूंज उठा।सैकड़ों समर्थकों की उमड़ी भीड़ के बीच पुलिस प्रशासन तमाशबीन बना रहा। अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। इतना ही नहीं पार्टी प्रत्याशी के फेसबुक समेत अन्य सोशल मीडिया अकाउंट पर बाकायदा इसका वीडियो भी अपलोड किया गया। जिसमें नवाबगंज पालिका परिषद के अध्यक्ष डॉ. सत्येंद्र सिंह वीडियो बनाने वाले समर्थक को रोकते नजर आ रहे हैं। इस दौरान लगातार कई राउंड फायरिंग की गई।

अब नैनीताल के जंगल सुलगे, खतरे में वनसंपदा

नैनीताल । उत्तराखंड के नैनीताल जिले में वनाग्नि के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। धारी के मटियाल, पदमपुरी और नैनीताल के खुर्पाताल, देवीधुरा के जंगल में आग से वन संपदा को काफी नुकसान पहुंचा है। मटियाल के गोविंद गुणवंत ने बताया कि पदमपुरी में आग से बांज, चीन, देवदार के पेड़ जल गए। मुक्तेश्वर, रामगढ़ और धानाचूली के जंगल में लगी आग को वन विभाग और ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद बुझा लिया। वहीं बेतालघाट के कोसी रेंज के जंगल में लगी आग बारगल के जंगल में फैल गई है। इसे बुझाने के प्रयास किये जा रहे हैं।

9 सीटों पर मतदान के तीसरे चरण को लेकर चुनाव प्रचार का अंतिम दौर

सिंधिया के लिए पहुंचे योगी, सीएम ने फिर ग्वालियर-चंबल का रुख किया

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज ज्योरिदित्य सिंधिया के प्रचार के सिलसिले में गुना सीट के अशोकनगर पहुंचे।

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में तीसरे चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार अब आखिरी दौर में पहुंच गया है। खास बात यह है कि भाजपा और कांग्रेस ने ग्वालियर चंबल अंचल की सीटों पर ताकत झोंक रखी है। भाजपा भिंड मुरैना व ग्वालियर गुना सीटों को लेकर आज सक्रिय है। मुख्यमंत्री मोहन यादव इस अंचल के दौरे पर निकले हैं। कल भी उन्होंनें मिंड लोकसभा क्षेत्र में रोड शो किया था। उधर कांग्रेस के पास स्टार प्रचारकों का टोटा है,लेकिन स्थानीय समीकरणों को साधने की कोशिश नजर आ रही है। जानकार सूत्र बताते हैं कि भाजपा की चुनाव प्रबंधन बैठक व जेपी नड्डा की पदाधिकारियों से मंत्रणा के बाद इस इलाके में ज्यादा सक्रिय रहने की रणनीति बनी है। मुख्यमंत्री आज गोहद,भांडेर,पोहरी और गुना शहर में सभा कर रहे हैं। रात को ग्वालियर में उनका रोड शो होगा।

मोदी की सभा, राहुल भी आयेंगे

जिस दिन 7 मई को मप्र की नौ सीटों पर मतदान होगा, उसी दिन प्रधानमंत्री मोदी चौथे चरण के मतदान वाली खंडवा और खरगोन सीट पर प्रचार के लिये मप्र में होंगे। वे दोनों स्थानो पर चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। वहीं कांग्रेस उम्मीदवार के लिये राहुल गांधी के मंदसौर में सभा के आसार हैं, जबकि प्रियंका गांधी की धार में सभा हो सकती है।

आयोग भी सक्रिय

खास बात यह है कि मतदान के पहले दो चरणों में मतदाता का मिजाज भांपकर राजनीतिक दल ही नहीं बल्कि चुनाव आयोग भी सक्रिय है। मतदान प्रतिशत बढाने केलिये बूथ पर जाने के लिये मतदाता को प्रेरित किया जा रहा है।

धन की तंगी: कांग्रेस उम्मीदवार ने टिकट लौटाया

भुवनेश्वर, एजेंसी।

ओडिशा की पुरी लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार सुचरिता मोहंती ने चुनाव प्रचार के लिए पार्टी से पर्याप्त फंड नहीं मिलने का हवाला देते हुए आज अपना टिकट लौटा दिया है। उन्होंने कहा है कि 'मैंने चुनाव लड़ने के लिए पब्लिक फंडिंग का सहारा लिया, अपने कैम्पेन में कम से कम खर्च करने का प्रयास किया, इसके बावजूद मैं आर्थिक रूप से संघर्ष करती रही और एक प्रभावशाली चुनाव प्रचार अभियान को कायम नहीं रख सकी।' मोहंती ने कहा, 'मुझे पार्टी ने फंड देने से इनकार कर दिया,जबकि भाजपा और बीजद पैसे के पहाड़ पर बैठे हैं। यह मेरे लिए मुश्किल था क्योंकि हर जगह धन का अश्लील प्रदर्शन हो रहा है। मैं उस तरह प्रतिस्पर्धा नहीं करना चाहती बल्कि एक पीपल-ओरिएंटेड कैम्पेन चाहती थी लेकिन धन की कमी के कारण यह भी संभव नहीं था। हालांकि उन्होंने कहा कि इसके लिये कांग्रेस भी जिम्मेदार नहीं है क्योंकि भाजपा सरकार ने पार्टी को पंगु बना दिया है। खर्चों पर काफी तरह का प्रतिबंध है। मुझे पुरी में जनता का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा था। वे बदलाव चाहते हैं।'

कांग्रेस को दिन में तारे दिखा दिए : मोदी

झारखंड के पलामू में आज चुनावी जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि आपने जेएमएम और कांग्रेस को दिन में ही तारे दिखा दिए। आप सभी अपने एक वोट के महत्व को बहुत अच्छी तरह जानते हैं। आपके एक वोट ने ऐसा काम किया कि पूरी दुनिया भारत के लोकतंत्र की ताकत को सलाम करने लगी थी। कांग्रेस का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस के वक्त यहां बम फटते थे और दिल्ली की सरकार पाकिस्तान को लव-लेटर भेजती थी, अमन की आस लगाती थी. जितने लेटर पाकिस्तान जाते थे, उधर से वो उतने आतंकी भेजता था और देश में खून की होली होती थी।

मोदी के व्यंग्य पर भड़के खरगे

नई दिल्ली , एजेंसी।

लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर में कांग्रेस फिर अपने नेता राहुल गांधी के बचाव में उतर आई है। उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'डरो मत, भागो मत' वाले बयान पर पलटवार किया और कहा कि उनके दो प्रेरक नेता भी दो सीटों से लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं। राहुल ने कल ही रायबरेली से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। वह केरल के वायनाड से भी चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आज पीएम मोदी पर निशाना साधकर कहा कि भाजपा के आइकन लालकृष्ण आडवाणी और अटल बिहारी वाजपेयी दो सीटों से लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं। वहीं, खुद पीएम मोदी ने साल 2014 के आम चुनाव में दो सीटों से चुनाव लड़ा था। खरगे ने प्रधानमंत्री पर ओछी बातें करने और अपनी गरिमा भूलने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पीएम मोदी डरे हुए हैं वह अपनी गरिमा छोड़कर तुच्छ बातें करते हैं और हमले करते हैं। उन्हें जवाब देने का कोई मतलब नहीं हैं।

बंगाल के राज्यपाल पर छेड़छाड़ का आरोप, तृणमूल से तनातनी बढ़ी

कोलकाता , एजेंसी।

कोलकाता के राजभवन में एक संविदा कर्मचारी ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कोलकाता के हरे स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले में कोलकाता पुलिस के सेंट्रल डिवीजन की डिप्टी कमिश्नर (डीसी) इंदिरा मुखर्जी ने कहा, राज्यपाल के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। इस मामले में एक जांच टीम का गठन किया गया है। हम अगले कुछ दिनों में कुछ संभावित गवाहों से बात करेंगे। साथ ही सीसीटीवी फुटेज के लिए अनुरोध किया गया है।हालांकि, राज्यपाल बोस ने आरोपों का खंडन किया है। राजभवन ने एक रिकॉर्ड बयान जारी किया था। इसमें तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए राज्यपाल ने कहा था,'कोई भी टीएमसी के भ्रष्टाचार और हिंसा पर लगाम लगाने के मेरे प्रयासों को रोक नहीं सकता है।

यह है मामला खबरों के मुताबिक राजभवन में एक संविदा कर्मचारी ने गुरुवार की शाम कोलकाता के हरे स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। उनका दावा है कि राज्यपाल ने उनके साथ दो बार छेड़खानी की। पहली बार 24 अप्रैल को फिर गुरुवार शाम को। महिला का आरोप है कि राज्यपाल ने उन्हें बायोडाटा के साथ राजभवन स्थित अपने चेंबर में आने को कहा था, जहां उनके साथ छेड़खानी की गई।

नक्सलियों के तीन डाक्टर मुठभेड़ में ढेर

रायपुर । अबूझमाड़ के टेकमेटा क्षेत्र में आपरेशन 'सूर्यशक्ति' ने नक्सलियों के चिकित्सा तंत्र पर करारी चोट की है। दो बड़ी मुठभेड़ों में सुरक्षा बल ने नक्सलियों के तीन चिकित्सकों को मार गिराया। टेकमेटा मुठभेड़ में पांच लाख की इनामी नक्सली चिकित्सक संगीता डोगे वहीं छोटेबेठिया मुठभेड़ में नक्सलियों की चिकित्सक व पांच लाख की इनामी रजिता व रीता सलामे को मार गिराया गया। बताते हैं कि अबूझमाड़ में ही नक्सलियों की चिकित्सा विभाग की सक्रियता है। यही विभाग बूढ़े, बीमार और घायल नक्सलियों का उपचार करता है। सुरक्षा बल को गत मंगलवार को टेकमेटा में हुई मुठभेड़ के बाद दवाइयां और चिकित्सा उपकरण भी मिले हैं।

जारी किए नाम और तस्वीरें

निज्जर हत्याकांड में तीन संदिग्ध गिरफ्तार

ओटावा , एजेंसी।

कनाडा पुलिस ने पिछले साल खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कथित हिट स्क्वॉड के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। रॉयल कैनेडियन माउंटेन पुलिस ने इन संदिग्धों की तस्वीर भी जारी की है। जांचकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि भारत सरकार ने इन लोगों को निज्जर की हत्या का काम सौंपा था। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता का आरोप लगाया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच काफी तनाव आ गया था। अब सीटीवी न्यूज ने एक वरिष्ठ सरकारी सूत्र के हवाले से बताया कि निज्जर की हत्या के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। निज्जर (45) को 18 जून 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गुरुद्वारे के बाहर गोली मार दी गई थी वह कनाडा का नागरिक था।

मसूरी में गहरी खाई में गिरा वाहन, पांच मौत

मसूरी । मसूरी-देहरादून मार्ग पर चूनाखाल के पास आज सुबह करीब पांच बजे एक वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में चार युवकों समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल बताई जा रही है। वाहन में कुल छह लोग सवार थे। हादसे में तीन की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को खाई से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जिसमें से दो और लोगों ने दम तोड़ दिया। हादसे में जान गंवाने वालों में चार युवक और एक युवती शामिल हैं। जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल है।

भारत के पंचायती राज की यूएन में तारीफ

वॉशिंगटन । संयुक्त राष्ट्र के एक कार्यक्रम में भारत के पंचायती राज का जिक्र,महिलाओं की भागीदारी को सराहा गया है। इसमें भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत में पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं का नेतृत्व बढ़ा है। ग्रामीण इलाकों में प्रशासन के लिए बनी पंचायती राज व्यवस्था पर भारत गर्व कर सकता है और इससे जमीनी स्तर पर सत्ता का विकेंद्रीकरण हुआ है। सीपीडी 57 साइड इवेंट में बोलते हुए कंबोज ने कहा कि भारत में जमीनी स्तर पर महिला सशक्तिकरण के परिवर्तनकारी प्रभाव हुए हैं। यह दुनिया में पाए जाने वाले पारंपरिक नगरपालिका प्रशासन मॉडल से अलग है और पंचायती राज व्यवस्था से समावेशी निर्णय लेने की प्रक्रिया को बढ़ावा मिलता है।

मेट्रो एंकर

राहुल को रायबरेली जीतने की सलाह भारी पड़ी...

सियासी शतरंज पर फंसे चेस मास्टर!

नई दिल्ली, एजेंसी।

लोकसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच शतरंज के पूर्व विश्व चैंपियन गैरी कास्परोव रायबरेली से चुनाव लड़ने को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करके फंस गये हैं और नेताओं के निशाने पर आ गये हैं। उनकी इस पोस्ट पर हर कोई हैरान है कि आखिर उन्होंने राहुल गांधी के लिए ऐसा क्यों लिखा? दरअसल कास्पोरोव की यह प्रतिक्रिया कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश की एक पोस्ट पर आई। जिसमें रमेश ने राहुल गांधी को सियासत और शतरंज का एक अनुभवी खिलाड़ी बताया था। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें राहुल गांधी शतरंज पर चर्चा करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो के पोस्ट होने के बाद आज कास्पारोव ने कहा कि 'परंपरा कहती है कि पहले आप रायबरेली जीतें और फिर शीर्ष पद के लिए चुनौती दें।' उनकी यह पोस्ट राहुल गांधी को ट्रोल करने के लिए थी या संयोग से ऐसा हो गया, इस पर खुद कास्पोरोव ने सफाई देते हुए कहा 'मुझे पूरी उम्मीद है कि मेरा छोटा सा मजाक भारतीय राजनीति में वकालत या विशेषज्ञता के लिए बेकार नहीं जाएगा! लेकिन एक बार मुझसे कहा गया था कि मैं एक राजनेता को अपने प्रिय खेल में दखल देते हुए देखने से नहीं चूक सकता!' गौरतलब है कि हाल ही में राहुल गांधी ने शतरंज और राजनीति के बीच समानता की बात कही थी और कास्पोरोव को ही अपना पसंदीदा शतरंज खिलाड़ी भी बताया था। पिछले दिनों एक पोस्ट सामने आया था जिसमें राहुल ने कहा था कि शतरंज की तरह सियासत में अपने प्रतिद्वंदी की हर चाल से भी लाभ उठाया जा सकता है। वहीं कास्पोरोव भी सियासी समझ रखते हैं,बीते दिनों रूस में पुतिन के विरोध पर उनका अरेस्ट वारंट जारी हुआ था।

सोशल मीडिया पर हंगामा

कास्पोरोव की इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर हंगामा मचा हुआ है। एक यूजर संदीप घोष ने तो कहा कि कास्पोरोव और विश्वनाथ आनंद जल्दी रिटायर हो गए, वरना उन्हें अपने दौर के महान शतरंज खिलाड़ी का सामना करना पड़ता।

कैंब्रिज से एम.फिल

रायबरेली लोकसभा सीट से अपना नामांकन करने वाले राहुल ने चुनाव आयोग को दिए हलफनामे में अपने पास 20 करोड़ रुपये से ज्यादा की चल-अचल संपत्ति के बारे में जानकारी दी है, जिसमें 4.2 लाख रुपये का सोना भी शामिल है। उन्होंने बताया कि उनके पास न तो कार है और न ही अपना घर है। उन्होने बताया है कि वे कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के ट्रिनिटी कॉलेज से एमफिल की डिग्री ले चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने रोलिंस कॉलेज फ्लोरिडा में आर्ट्स में ग्रेजुएशन की डिग्री की है। राहुल ने बताया है कि उनके खिलाफ देश भर के कई राज्यों में 18 मामले दर्ज हैं।

केवी-2 के प्राचार्य की अनूठी पहल

प्राचार्य ने अभिभावकों के नाम लिखा पत्र, बच्चों से प्राप्त सर्वश्रेष्ठ पांच पत्रों को मिलेगा पुरस्कार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्र. 2 के प्राचार्य पवन कुमार बेदुये ने गर्मी की छुट्टियों की शुरुआत में एक अनूठी पहल करते हुए अभिभावकों को एक पत्र लिखा है। प्राचार्य बेदुये ने इस संबंध में बताया कि इस पत्र का उद्देश्य छुट्टियों का विद्यार्थियों के हित में सदुपयोग करते हुए उन्हें भावनात्मक और नैतिक रूप से सुदृढ़ बनाना है। साथ ही उनके अंदर चिंतन, पठन, लेखन और अभिव्यक्ति कौशल का विकास करना भी है। यदि अभिभावक इसमें दिए गए सुझावों को मानकर अमल में लाते हैं, उनके और बच्चों के बीच संबंध और प्रगाढ़ होंगे। साथ ही पारिवारिक अनुशासन भी और बेहतर होगा। इसमें अभिभावकों से बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करने की अपील विशेष तौर पर की गई है। इस पत्र में कोई आदेश नहीं है। यह मात्र सुझाव हैं। इस पत्र में दिए गए सुझाव पीढ़ी अंतराल को कम करने में भी मददगार होंगे।

ग्रीष्मावकाश के दौरान पत्र लेखन प्रतियोगिता

उप प्राचार्य अंजना धनराजू ने बताया कि ग्रीष्मावकाश के दौरान विद्यार्थी प्राचार्य के नाम पत्र लिखकर भेज सकते हैं। सर्वश्रेष्ठ 5 पत्रों का चयन कर लिखने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। इसका उद्देश्य सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच चिट्ठी लिखने की परंपरा को बचाए रखना और बच्चों को उसे महसूस कराना भी है। इससे हमें विद्यालय के बारे में बच्चों की राय और सुझाव भी जानने को मिलेंगे।

रामकृष्ण धर्मार्थ फाउंडेशन विवि का आज दीक्षांत समारोह

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित रामकृष्ण धर्मार्थ फाउंडेशन विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 4 मई को आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एवोरा विश्वविद्यालय एवोरा पुर्तगाल प्रो. जे.सी.बी टियागों डी ओलिवियेरा शामिल होंगे। समारोह की अध्यक्ष कुलाधिपति डॉ. साधना कपूर करेंगी। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कुलपति प्रो. ए.डी.एन. बाजपेयी दीक्षांत भाषण देंगे। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में एमपीपीयूआरसी के अध्यक्ष भरत शरण सिंह, शिक्षाविद एवं पूर्व कुलपति प्रो. एनसी गौतम शामिल होंगे।

53 स्टेशनों पर चल रहे कामों की गति बढ़ाने पर जोर

जीएम ने ली बैठक, कहा– काम तय समय सीमा में पूरे हो

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेल मंडल के भोपाल समेत पश्चिम मध्य रेलवे के 53 स्टेशनों को नए सिरे से विकसित किया जा रहा है। इस काम की गति बढ़ाने पर रेलवे लगातार जोर दे रहा है। हाल ही में जीएम शोभना बंदोपाध्याय ने सभी कामों को तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

इन स्टेशनों पर चल रहे काम

भोपाल मण्डल के स्टेशन: भोपाल, बीना, संत हिरदाराम नगर, गंजबासौदा, विदिशा, अशोक नगर, रुठियाई, ब्यावरा राजगढ़, साँची, शाजापुर, खिरकिया, बानापुरा, इटारसी, गुना, नर्मदापुरम, हरदा एवं शिवपुरी रेलवे स्टेशन शामिल है।

जबलपुर मण्डल के स्टेशन : जबलपुर, सतना, कटनी, मैहर, दमोह, करेली, ब्यौहारी, रीवा, सागर, नरसिंहपुर, कटनी मुड़वारा, पिपरिया, गाडरवारा, सिहोरा रोड, श्रीधाम, कटनी साऊथ, एवं बरगवां रेलवे स्टेशन शामिल है।

कोटा मण्डल के स्टेशन : कोटा, डकनिया तलाव, भरतपुर, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर, रामगंजमंडी, भवानी मंडी, शामगढ़, विक्रमगढ़ आलोट, बयाना, हिण्डौनसिटी, श्रीमहावीर जी, बारां, छबड़ा गुगोर, बूँदी, माण्डलगढ़, झालावाडसिटी, गरोठ एवं चौमहला रेलवे स्टेशन शामिल है।

ऐसा होगा स्टेशनों का स्वरूप

इस योजना के अंतर्गत स्टेशनों में स्टेशन भवन का सुधार और स्थानीय कला तथा संस्कृति के तत्व का समावेश करते हुए सौंदर्यीकरण के साथ ही स्टेशन के अग्र भाग का सौन्दर्यीकरण, सर्कुलेटिंग एरिया, द्वितीय प्रवेश द्वार और आगमन/प्रस्थान बिल्डिंग का भी पुनर्विकास किया जा रहा है। जिनमें स्टेशन पहुंच मार्ग के लिए नई सड़कें, पैदल पथ, पार्किंग तथा सुगम यातायात की सुविधा भी शामिल है। स्टेशनों को दिव्यांग फ्रेंडली बनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत हर स्टेशन पर दिव्यांग शौचालय एवं रैंप इत्यादि की सुविधा सुनिश्चित की जा रही है। फुट ओवर ब्रिज के प्रावधान के साथ-साथ हाई लेवल प्लेटफॉर्म, बेहतर सतह, कवर शेड, उन्नत प्रतीक्षालय एवं शौचालय इत्यादि का भी समुचित प्रावधान है। यात्रियों की सुविधा हेतु उन्नत फर्नीचर, स्टैंडर्ड साइन बोर्ड, पर्यटक सुविधा काउंटर, चिकित्सकीय सुविधाएं, पेयजल व्यवस्था, टिकटिंग व्यवस्था, ड स्टॉल, सार्वजनिक घोषणा प्रणाली, चार्जिंग प्वाइंट एवं सहायता बूथ की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

6 करोड़ बकाया का मामला, बीसीसीएल ने भुगतान की एक किश्त दी

बसों के थमे पहिए घूमे, राजधानी को मिली राहत

प्रतिदिन डेढ़ से दो लाख यात्री बसों पर निर्भर

भोपाल में इन सिटी बसों में एक दिन में करीब डेढ़ लाख से ज्यादा लोग सफर करते हैं। इनमें 40 प्रतिशत तक यानी, करीब 60 हजार महिला यात्री शामिल हैं। नौकरीपेशा के अलावा छात्र भी बसों से आना-जाना करते हैं। किराये के रूप में उनके न्यूनतम सात और अधिकतम 42 रुपये लगते हैं। सभी बसों में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम और कैमरे लगे हैं।

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में सिटी बसों के पहिये जब थमते हैं तो लगता है जैसे शहर में लोग कहीं ठहर गये हैं। दरअसल गत दिवस जब 150 सिटी बसों के पहिए थमे तो यही नजारा था। हर जगह लोगो भी भीड थी। यात्रियों को गर्मी में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बताया जाता है कि छह करोड़ 80 लाख रुपये का पेमेंट बकाया होने से बस आपरेटर नाराज चल रहे हैं, इसके चलते उन्होंने बसों को चलाने से इंकार कर दिया। इसी वजह से रूटों पर कम बसें पहुंची तो लोगों को इंतजार करना पड़ा। बताया जा रहा है कि आपरेटर को 20 लाख रुपये का भुगतान किया गया। इसके बाद आज से बसें अपने निर्धारित रूट पर चलने लगीं हैं।

उल्लेखनीय है कि भोपाल में चल रही सिटी बसें मां एसोसिएट की है। एसोसिएट के मालिक अतुल जैन ने बताया कि पिछले कई दिनों का छह करो? 80 लाख रुपये बकाया थे। स्थिति यह हो गई थी कि बसों में ईंधन भरवाने के लिए भी पेमेंट नहीं था। इसके चलते बीसीएलएल से बसों का संचालन करने में असमर्थता जता दी।शुक्रवार को बसें नहीं चलाई गईं। इसके बाद कुछ राशि का भुगतान बीसीएलएल ने कर दिया है। इसके चलते शनिवार से नियमित रूप से बसों का संचालन किया जा रहा है।

भोपाल के 25 रूट पर कुल 368 बसें चलती हैं। ये बसें शहर के सभी क्षेत्र को कवर करती हैं। बैरागढ़ के पास चिरायु अस्पताल से लेकर अवधपुरी, न्यू मार्केट, अयोध्या बायपास, करोंद, एमपी नगर, मिसरोद, मंडीदीप, भोजपुर, नर्मदापुरम रोड, कटारा हिल्स, बैरागढ़ चिचली, कोलार रोड, गांधीनगर, बंगरसिया, रायसेन रोड, लांबाखेड़ा, नारियलखेड़ा, भौंरी समेत अधिकांश शहरी क्षेत्रों में चलती हैं।

जेएसएस का दाना व पानी अभियान, हजारों विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए दाना-सकोरे

सिद्धभाऊजी स्कूलों-कॉलेजों में बच्चों में भर रहे करूणा के भाव पक्षियों की पंगत

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

जीव सेवा संस्थान अपने सामाजिक दायित्व के प्रति अपने समर्पण को दिखाते हुए गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल करता आ रहा है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में सिद्धभाऊ के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित कर पक्षियों के लिए दाना-पानी वितरण के अभियान को शुरू किया है।

विद्यार्थियों को पक्षियों के लिए निःशुल्क सकोरे और खाने के दाने उपलब्ध कराए जा रहे हैं जिन्हें उनके द्वारा घर के आसपास खुले स्थान, आंगन व छत पर रखा जा रहा है। इसके साथ ही उन्हें पक्षियों के रहने के लिये कृत्रिम घरौंदे भी दिये जा रहे हैं। इससे बच्चे स्वत:-ही शाकाहारी बन रहे हैं और उनके हृदय में दया, करूणा व जीव सेवा के भाव विकसित हो रहे हैं। इस कार्यक्रम के अलावा, संस्थान के स्वयं सेवक भी अपने घर के आसपास, आंगन और छतों पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था कर रहे हैं। संस्थान के सचिव महेश दयारामानी ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण पहल का समर्थन करें और पक्षियों के लिए दाना-पानी उपलब्ध कराने में अपना योगदान दें।

न केवल पक्षियों के जीवन संचार को बनाए रखने में मदद हो रही है, बल्कि अनेकों पक्षियों को मरने से बचाया जा रहा है। इससे बच्चों में सामाजिक जिम्मेदारी और अच्छे संस्कारों का विकास भी हो रहा है।

शिया पैसिफिक यूथ सिम्पोजियम में छात्राओं की भागीदारी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट की छात्राओं ने अंतर्राष्ट्रीय संस्थान यूनिसेफ के सहयोग से चतुर्थ एशिया पैसिफिक यूथ सिम्पोजियम में भागीदारी की। इस विशेष आयोजन में संस्थान की शिक्षिका डॉ. शालू पांडे के मार्गदर्शन में छात्राओं ने अपनी उपलब्धियों को साझा किया। इस कार्यक्रम में भारत ही नहीं, बल्कि फिलीपीन्स, नेपाल जैसी जगहों से भी छात्रों ने हिस्सा लिया। अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए संस्थान की छात्राओं ने अपने अनुभवों को बताते हुए कहा कि उन्हें इस प्रयास से जुड़ने से बहुत सीखने को मिला। उन्होंने ग्रीन स्किल्स एवं ग्रीन जॉब से सम्बंधित चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा। सभी प्रतिभागी देशों के पैनेलिस्ट ने इस अभियान में अपने प्रयासों को भी साझा किया। छात्राओं ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से ग्रीन स्किल्स एवं ग्रीन जॉब में स्थानीय सरकार, स्थानीय युवा संगठन, शैक्षणिक संस्थाओं एवं यूनाइटेड नेशंस जैसे अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका को दर्शाया। इस अवसर पर संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर हीरो ज्ञानचंदानी, डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर एवं सभी शिक्षकों ने छात्राओं को बधाई दी।

2024-25 सत्र के लिए समग्र शिक्षा की वार्षिक कार्ययोजना

भोपाल। 3 साल की उम्र में अपने बच्चों का स्कूल में प्रवेश कराने के इच्छुक अभिभावकों के लिए अच्छी खबर है। स्कूल शिक्षा विभाग प्रदेश के तीन हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में नर्सरी कक्षाएं शुरू करेगा। जहां 3 साल की उम्र से बच्चों के प्रवेश हो सकेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्री प्राइमरी एजुकेशन के अंतर्गत स्कूलों में प्रवेश को लेकर सभी जिलों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जारी आदेश में कहा गया है कि वर्ष 2024-25 सत्र के लिए समग्र शिक्षा की वार्षिक कार्ययोजना में 3061 विद्यालयों में पूर्व प्राथमिक कक्षाएं शुरू करने की स्वीकृति शासन ने दी है। पहले पांच जिलों भोपाल, छिंदवाड़ा, सीहोर, सागर और शहडोल के 1415 विद्यालयों में केजी 1 और केजी 2 कक्षाएं सत्र 2019-20 से संचालित की गई थीं। इन स्कूलों में भी अब इन कक्षाओं के साथ 3 से 4 साल की उम्र वर्ग के बच्चों के लिए नर्सरी कक्षाएं संचालित किया जाना है। इसके लिए प्रवेश प्रक्रिया 15 जून 2024 से शुरू करने की तैयारी है।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शुरू होंगी तीन हजार से अधिक नर्सरी कक्षाएं

शिक्षकों की उम्र भी तय: नर्सरी क्लास में प?ाने के लिए शासन ने शिक्षकों की उम्र भी तय की गई है। वहीं महिला शिक्षिका को प्राथमिकता दी जाए। इसमें कहा गया है कि जिन स्कूलों में एडमिशन दिया जाना है, उसमें हर स्कूल में कम से कम दो अलग शिक्षकों का इंतजाम होना चाहिए। शिक्षक-शिक्षिका की उम्र 52 वर्ष से कम हो। शिक्षक बच्चों के साथ स्कूल एक्टिविटी करने में सक्षम हों और रुचि रखते हों।

मेट्रो एंकर संतजी की प्रेरणा से शुरू हुए सेवा कार्य को आसमान दिया सिद्धभाऊजी ने

सेवा सदन ने अब तक 2,106 की जिंदगी में भरा उजाला

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में वर्ष 1996 से अप्रैल 2024 तक 2,106 दृष्टिबाधित व्यक्तियों की आंखों के नेत्र प्रत्यारोपण कर उन्हें दृष्टि प्रदान की गई है । ये नेत्र प्रत्यारोपण कॉर्निया स्पेशलिस्ट डॉ. प्रेरणा उपाध्याय और डॉ. शुभा राय ने किये हैं । आंखों की रोशनी चली जाने के बाद व्यक्ति पूरी तरह से दिव्यांगता की श्रेणी में आ जाता है । ऐसे दिव्यांग व्यक्ति को लगभग अपने सभी कार्यों के लिये अन्य व्यक्तियों के ऊपर निर्भर रहना पड़ता है ।

सेसनेचि के प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी ने समाज के सभी वर्गों के लोगों से आग्रह किया है कि किसी स्वजन की मृत्यु पर उसकी आंखें अस्पताल को दान में दें, ताकि ये आंखें जीवन के साथ भी और जीवन के बाद भी किसी के काम आ सकें । उन्होंने बताया कि शीघ्र ही सेवा सदन अस्पताल संत आसाराम चौराहा, एयरपोर्ट रोड, गांधी नगर के पास अपने निर्माणाधीन विशाल भवन में संचालित होने लगेगा, जहां विश्वस्तरीय नेत्र चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएंगी ।

यहां-यहां से आती हैं आंखें

सेवा सदन को भोपाल के अलावा दिल्ली, भुवनेश्वर, केरल, राजस्थान, बैंगलुरू, हैदराबाद, छिन्दवाड़ा और सीहोर आदि स्थानों से भी आंखें प्राप्त होती हैं।

2023 में 117 नेत्र दान में मिले

संत हिरदारामजी ने अपने जीवनकाल में सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय की डॉक्टर्स को इस कार्य में सेवाएं देने के लिये प्रेरित किया था । सिद्धभाऊजी और अन्य सेवादारों ने भी स्वैच्छिक नेत्रदान के लिये सामाजिक वातावरण निर्माण में काफी प्रयास किये हैं । यही कारण है कि राजधानी के उपनगर संत हिरदाराम नगर में बड़ी संख्या में मृतकों के परिजन नेत्रदान करवाते हैं । इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है कि अकेले वर्ष 2023 में सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में मिली कुल 117 आंखों में से अकेले संत हिरदाराम नगर में मृतकों से 24 नेत्रदान कराए गए ।

दो कॉर्नियां स्पेशलिस्ट

अस्पताल में पहले केवल डॉ. प्रेरणा उपाध्याय ही कॉर्निया स्पेशलिस्ट थी बाद में डॉ. शुभा राय को भी कॉर्निया विशेषज्ञता के लिये एल वी प्रसाद, नेत्र चिकित्सा संस्थान, हैदराबाद में फेलोशिप करवाई गयी । इस प्रकार अस्पताल में अब दो वरिष्ठ कॉर्निया विशेषज्ञ दृष्टिबाधितों की सेवा के लिये उपलब्ध हैं ।

टीबी मरीजों को नहीं मिल रही एचआरई दवा, स्वास्थ्य आयुक्त को जांच के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के 6 मामलों में संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है। पहला मामला टीबी के मरीजों को एचआरई दवा नहीं मिलने और एमडीआर जैसी गंभीर बीमारी होने का खतरा होने का है। मामले में आयोग ने आयुक्त, संचालक स्वास्थ्य सेवायें, चिकित्सक शिक्षा म.प्र. शासन संचालनालय, भोपाल को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही टी.बी. के मरीजों को इलाज के लिये आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता में हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में की कार्रवाई और उनकी स्वास्थ्य सुरक्षा के सम्बन्ध में प्रतिवेदन मांगा है। आयोग के संज्ञान में आया है कि प्रदेश के 900 से ज्यादा टीबी के मरीजों को अस्पतालों में पिछले दो माह से एचआरई दवा नहीं मिल रही है। दवाई नहीं मिलने से अब सामान्य टीबी के मरीजों को एमडीआर जैसी गंभीर बीमारी होने का खतरा बना हुआ है।

पेंशन के लिये भटक रहे शासकीय कर्मचारी: भोपाल शहर में संचालनालय अद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारी को 11 माह और आयुक्त तकनीकी शिक्षा विभाग के सहायक ग्रेड-1 कर्मचारी को 3 माह से पेंशन का लाभ नहीं मिलने का मामला सामने आया है। संबंधित विभाग से जवाब मांगा है।

अस्पतालों में पानी के लिए तरस रहे मरीज

भोपाल शहर के दो बड़े अस्पताल हमीदिया और जय प्रकाश में आने वाले मरीजों को पानी के लिये परेशान होने का मामला सामने आया है। हमीदिया अस्पताल में पीने के पानी की व्यवस्था सिर्फ ग्राउंड फ्लोर में है, जिस कारण 11वीं मंजिल के मरीजों को नीचे आके पानी लेना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर जय प्रकाश अस्पताल में वॉटर कूलर से शीतल जल नहीं आ रहा है। जिससे मरीजों और डॉक्टरों को गर्मी में शीतल जल नही मिल रहा है। मामले में आयोग ने आयुक्त, संचालक स्वास्थ्य सेवायें, चिकित्सक शिक्षा संचालनालय से जांच कराकर जवाब मांगा है।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के 6 मामलों में लिया संज्ञान

इन मामलों में भी जवाब तलब

आयोग ने भोपाल शहर के कोलार रोड़ स्थित सर्वधर्म मार्केट में बीते दिनों से सीवेज का दूषित पानी बहने, निशातपुरा थानाक्षेत्र स्थित नेवरी गांव में तालाब में डूबने से एक 73 साल के बुजुर्ग की मृत्यु होने और नीलबड़ क्षेत्र में म.प्र. घुड़सवारी अकादमी से लेकर माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय तक की सड़क पर रात के समय स्ट्रीट लाइट चालू नहीं होने के मामले में संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है।

पांचवी और आठवीं की पुनः परीक्षा 3 से 8 जून के बीच होगी आयोजित

प्रदेशभर के जिला कलेक्टर्स को राज्य शिक्षा केन्द्र ने लिखा पत्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग ने कक्षा-5 और 8 की पुनः परीक्षा सत्र 2023-24 के लिए दिशा-निर्देश जारी किये हैं। इस संबंध में जिला कलेक्टर्स को राज्य शिक्षा केन्द्र ने पत्र लिखा है। कक्षा-5 और 8 की पुनरू परीक्षा 3 जून से 8 जून के बीच होगी। राज्य शिक्षा केन्द्र ने प्रोजेक्ट कार्य के अंकों की प्रविष्टि के संबंध में कहा है कि ऐसे परीक्षार्थी, जो अनुत्तीर्ण हो गए हों या अनुपस्थित रहे हों, उन छात्रों के प्रोजेक्ट कार्य 15 मई तक अनिवार्य रूप से पूरा कर मूल्यांकन किया जाए। इन कक्षाओं के पुनः परीक्षा केन्द्र जन शिक्षा केन्द्र पर ही निर्धारित किए जाएं। छात्रों की संख्या 500 से अधिक होने पर दूसरा परीक्षा केन्द्र राज्य शिक्षा केंद्र की अनुमति से बनाया जा सकेगा। निर्देशों में कहा गया है कि परीक्षा केन्द्र तक परीक्षार्थियों को पहुंचाने का दायित्व संबंधित शाला प्रमुख और शिक्षकों का होगा। परीक्षार्थियों के प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर प्राप्त किये जा सकेंगे। इस संबंध में विस्तृत जानकारी राज्य शिक्षा केन्द्र के जिला समन्वयक से भी प्राप्त की जा सकती है।

46 हजार बच्चे नहीं पहुंचे स्कूल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूलों में एक अप्रैल से नया शिक्षण सत्र तो शुरू हुआ लेकिन बड़ी संख्या में बच्चे स्कूल ही नहीं पहुंचे। राजधानी में कक्षा एक से लेकर 12वीं तक 46 हजार बच्चे स्कूलों से गैर हाजिर रहे हैं। राज्य शिक्षा केन्द्र ने यह रिपोर्ट जारी की है। राज्य शिक्षा केन्द्र बच्चों की उपस्थित का डाटा जमा कर रहा है। इसे मेपिंग नाम दिया गया है। इसके लिए सभी जिलों से स्कूलवार रिपोर्ट मांगी गई थी। कक्षा में बच्चों की उपस्थिति, किन योजनाओं का उन्हें फायदा मिल रहा है सहित दूसरी जानकारी इसमें शामिल की गई। जो स्कूल में उपस्थित नहीं हुए उन्हें ड्राप आउट नाम दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक जिले में ऐसे 46 हजार बच्चे हैं। पूरे प्रदेश में इनकी संख्या 14 लाख है। इनका सत्यापन कराया जाना है। यह स्कूल स्तर पर होगा। राजधानी में कई स्थानों पर निर्माण कार्य चल रहे हैं। इनमें से कुछ पूरे हो चुके हैं। जिसके चलते यहां आए लोग पलायन कर चुके हैं। इन परिवारों से भी कई बच्चों का पिछले साल सरकारी स्कूलों में दाखिला कराया गया था। पलायन के चलते इनकी मैपिंग नहीं हो पा रही है।

खोजने पर भी नहीं मिले तो शाला त्यागी घोषित

प्रदेश के सभी बच्चों की बच्चों की प्रोफाइल बनाने के लिए यूडीआईएसईएस पोर्टल पर एंट्री कराई जा रही है। इसमें सभी स्कूलों को रिपोर्ट देना थी। राज्य शिक्षा केन्द्र के संचालक धनराजू एस के मुताबिक ड्रॉप आउट बच्चों की रिपोर्ट मई के दूसरे सप्ताह तक जमा कराई जाना है। इसके लिए सत्यापन कराया जाना है।

तीसरे चरण की 9 सीटों पर मतदान 7 को, कल थमेगा प्रचार

मुद्दे हुए धारदार, दौड़ भाग में दिखने लगी ज्यादा तेजी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के प्रचार के आखिरी घंटों में भाजपा और कांग्रेस के नेताओं ने चुनाव क्षेत्रों पर फोकस बढ़ा दिया है। कल शाम छह बजे चुनाव प्रचार समाप्त होने से पहले सभी उम्मीदवार भी उन क्षेत्रों का रुख कर रहे हैं जहां उन्हें संभावना ज्यादा नजर आ रही हैं। दलों के स्टार प्रचारक भी यही कर रहे हैं। भाजपा नेताओं ने राम मंदिर निर्माण,सनातन संस्कृति के संरक्षण से लेकर विकास के दावों की झड़ी लगा रखी है तो कांग्रेस नेता मोदी सरकार पर वादाखिलाफी के आरोप को मुद्दा बनाए हुए हैं।

सीएम मोहन यादव ने दतिया में किया रोड शो

बुधनी में पुराने दिन याद किए शिवराज ने

इधर पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा लोकसभा के रेहटी, बकतरा, शाहगंज और उमरावगंज में जनसंपर्क किया। बुधनी में सभा में कहा कि, मुझे वो दिन याद आ रहे हैं। जब यहां से मैंने अपने राजनैतिक जीवन की शुरुआत की थी। मुझे आप लोगों ने प्यार दिया, आशीर्वाद दिया, जिसके कारण मैं पहली बार विधायक बना। मुख्यमंत्री बन गया तो अंहकार में चूर नहीं बल्कि मैंने खुद को हमेशा आपका सेवक माना है। मेरे लिए जनता की सेवा ही भगवान की पूजा है। आज भी दिन-रात एक ही धुन है कि, बाकी बचे जीवन में जनता के लिए कैसे बेहतर काम करूं।

सबक सिखाने का वक्त: यादव

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भिंड लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी संध्या राय के समर्थन में दतिया में रोड शो के बाद सभा में कहा कि इस बार के चुनाव कांग्रेस के पापों को सबक सिखाने का चुनाव है। वह मंदिर निर्माण में अड़ंगे लगाती रही। भाजपा की सरकार में विकास कार्यों की कोई कमी नहीं होगी। हम सनातन संस्कृति को बचाने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। जनसभा को वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री व न्यू ज्वाइनिंग टोली के प्रदेश संयोजक डॉ. नरोत्तम मिश्रा, पार्टी प्रत्याशी संध्या राय ने भी संबोधित किया। यादव ने कहा कि दतिया के विकास में कोई कमी नहीं रही। हर तरफ विकास ही विकास नजर आता है। पिताम्बरा माई की ऐसी कृपा है कि जो काम उज्जैन में नहीं हुए उससे पहले दतिया में हो गए हैं।

खाने का तेल 50 का था आज 160 का है: पटवारी

कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बैतूल लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रामू टेकाम के समर्थन में सभा में कहा कि यह चुनाव देश की अस्मिता और रक्षा का चुनाव है। आज बहस आरक्षण को बचाने की, संविधान को बचाने की तथा वोट का अधिकार बचाने की देश में बहस चल रही है। जब पेट्रोल 60 रुपए का हुआ करता था तब बातें 30 रुपए में बेचने की होती थी और हो गया 100 का, जबकि खाने का तेल 50 का था आज 160 का है, अरहर दाल 50 की मिलती थी आज 200 की है। देश में बेतहाशा महंगाई बढ़ी है। आज हर घर में बेरोजगार हैं, जबकि वादे दो करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष के हुये थे, यही मोदी गारंटी है।

कर्मचारियों से संपर्क कर रही कांग्रेस

भोपाल के कांग्रेस उम्मीदवार का नरेला क्षेत्र में रोड शो

भोपाल से कांग्रेस प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान वल्लभ भवन इलाके में पहुंचकर कर्मचारी और अधिकारियों से संपर्क साध कर कांग्रेस को वोट देने की अपील की। अनेक कर्मचारी और अधिकारियों के संगठनों ने अरुण श्रीवास्तव का स्वागत किया और समर्थन देने की बात कही। इस दौरान श्रीवास्तव ने कहा कि भाजपा सरकार कर्मचारी विरोधी है। इन लोगों ने नई नौकरी देना बंद कर दिया है और कर्मचारियों की पेंशन भी बंद कर दी है। युवाओं को भर्ती नहीं हो रही है। जबकि कांग्रेस कर्मचारियों के साथ है इस दौरान श्रीवास्तव के साथ पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, महेंद्र जोशी आदि थे।

राजगढ़ में सभा

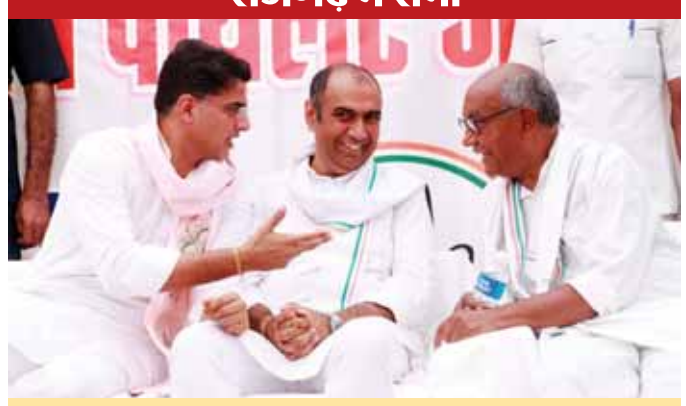

राजगढ़ में कांग्रेस उम्मीदवार दिग्विजय सिंह के लिए सभा करने सचिन पायलट पहुंचे।

मेट्रो एंकर | प्रदेश में अपनी तरह का पहला पाठ्यक्रम, आइटीआइ कर रही संचालित

कक्षा दसवीं के बाद नेक्स्ट जनेरेशन के कोर्स, एआई सिखा रहा आइटीआई

एक्सीलेंस स्कूल में कक्षा 11 में होना है एडमिशन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। एडमिशन के लिए सरकारी स्कूलों में भी कतारें लग रही है। सुभाष एक्सीलेंस स्कूल में शुक्रवार को बड़ी संख्या में विद्यार्थी स्कूल परिसर में जमा थे। यहां कक्षा 11वीं में दाखिले के लिए प्रक्रिया चल रही है। दसवीं के मुकाबले 11वीं कक्षा में सीटें बढ़ाई जाती हैं। इन बढ़ी हुई सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। स्कूल प्राचार्य सुधाकर पारासर ने बताया कि यह हर साल की स्थिति है। एडमिशन के लिए नब्बे प्रतिशत से अधिक अंक वाले कई विद्यार्थी आए हैं। राजधानी के बाकी सरकारी स्कूलों में यहां का रिजल्ट बेहतर रहा। इसी लिए यहां प्रवेश पाने के लिए अभ्यर्थी पहुंच रहे हैं।

बच्चे अब स्कूल शिक्षा के बीच तकनीकी शिक्षा भी ले सकते हैं। राजधानी की आइटीआइ से उन्हें यह मौका मिल रहा है। यहां नया कोर्स शुरू किए हैं। जहां दसवीं कक्षा के बाद बच्चों को एआइ की सीख दी जा रही है। इसे नेक्स्ट जनेरेशन कोर्स नाम दिया गया। अधिकारियों का दावा है कि भविष्य की जरूरतों को देखते हुए इसे डिजाइन किया गया है। गोविंदपुरा स्थित शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में एडमिशन के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है। आने वाले समय में युवाओं में किस तरह के कौशल की जरूरत है इस विषय पर काम हो रहा है।

दिमाग ठंडा हो तो फैसले गलत नहीं होते, और भाषा मीठी हो तो अपने दूर नहीं होते!

संपादकीय

रसूखदारों का राज, लाचार सिस्टम

लोकसभा चुनाव के इस दौरा में रोज कुछ नये और सनसनीखेज मुद्दे परोसने की कोशिशें हर राजनीतिक दल की तरफ से हो रही हैं। बातों को तोड़ना मरोड़ना या नये नये अर्थ निकालने के दौर में कर्नाटक में यौन शोषण का जो मामला सामने आया, वह वाकई बहुत बड़े बवाल का संकेत हैं। राज्य की प्रभावशाली पार्टी जेडीएस के नेता ने कथित तौर पर जो किया है वह सत्ता की ताकत के बेजा इस्तेमाल का भी उदाहरण है। ऐन चुनावों के बीच जिस तरह के संगीन आरोप इस नेता पर लगे और विवाद खड़ा हुआ, उसके बाद हासन लोकसभा सीट से मौजूदा इस सांसद व प्रत्याशी के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना की करतूत वाकई शर्मनाक है। कई दबावों के बाद आखिर जेडीएस की कार्रवाई स्वाभाविक ही कही जाएगी। लेकिन सवाल यह है कि अगर अभी कर्नाटक में वोटिंग बाकी न होती और विपक्षी कांग्रेस के साथ ही सहयोगी भाजपा का भी दबाव न होता, तब भी क्या पार्टी नेतृत्व का यही रवैया होता? मंशा पर सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि इस मामले की सुगबुगाहट पिछले साल जून से थी। तब प्रज्वल रेवन्ना ने अदालत का रुख किया था। उन्होंने कोर्ट से मांग की थी कि उनसे जुड़े कुछ फेक विडियो हैं, जिन्हें पब्लिश करने से मीडिया संस्थानों को रोका जाए। कर्नाटक में भाजपा का जेडीएस के साथ गठबंधन है। हासन के एक स्थानीय भाजपा नेता ने आम चुनाव से पहले अपनी पार्टी को इस मामले की जानकारी देते हुए आगाह किया था कि प्रज्वल और उसके पिता एचडी रेवन्ना को टिकट नहीं मिलना चाहिए। विडियो सामने आने के बाद अब जेडीएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी की प्रतिक्रिया भी निराश करने वाली ही है। उन्हें इस मामले में बड़ी बात यही दिखी कि विडियो हासन में वोटिंग के पहले क्यों रिलीज किए गए। उनकी चिंता थी कि केस से देवेगौड़ा का नाम न जोड़ा जाए। इन सबके बीच पीड़ित महिलाओं का दर्द कहीं खो जाता है। क्या उनकी इमेज के कोई मायने नहीं? सबसे दुखद पहलू यह है कि इस पूरे प्रकरण का घटनाक्रम चौंकाता भी है और नहीं भी। दरअसल ताकतवर नेता, मजबूर महिलाएं और कमजोरों की अनदेखी करने वाले मौजूदा सिस्टम ने बाकी लोगों को इस तरह की अवस्था में पहुंचा दिया है। अक्सर ऐसे मामले सामने आते रहे हैं। कुछ ही समय पहले ऐसे ही आरोपों के साथ देश के जाने-माने और ओलंपिक मेडल विनर पहलवान सड़क पर उतरे थे। उन्हें भी सांसद बृजभूषणशरण सिंह के खिलाफ केस दर्ज कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक जाना पड़ा था। इस तरह की घटनाओं का बार-बार होना बताता है कि कुछ ताकतवर लोग खुद को नियम-कानून से ऊपर समझते हैं और तंत्र अपने व्यवहार से उनकी इस समझ को मजबूती देता है। वैसे देखा जाए तो सामाजिक परिवेश में भी दिक्कते हैं। जहां एक महिला के लिए अपनी लड़ाई लड़ना मुश्किल होता है। समाज उसकी लड़ाई में साथ देना तो दूर, उसे भावनात्मक समर्थन भी देने में हिचकिचाता है। शायद समाज के लोगों के मन में सिस्टम के प्रति अविश्वास और रसूखदारों की पहुंच से यह भाव उभरता है। लिहाजा सबसे जरूरी तो यह है कि रेवन्ना के मामले की तह तक जाकर सचाई का पता लगाया जाए और यदि वे दोषी हैं तो कार्रवाई करके इसे एक नजीर की तरह पेश किया जाए। वैसे हाल में यह खबरें भी सामने आई हैं कि प्रज्जवल को विदेश जाने की आशंका व उन्हें रोकने के लिये कर्नाटक के सीएम ने पीएमओ को पत्र भी लिखा था, इसके बाद भी रेवन्ना अपने डिप्लोमेट पासपोर्ट के जरिये विदेश जाने में कामयाब हो गए।

तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से पहले रोजगार में वृद्धि की है जरूरत

■ पीएस वोहरा

इन दिनों हर जगह तकरीबन इस बात की ही चर्चा रहती है कि भारत बड़ी तेजी से विश्व की तीसरी सबसे बडी अर्थव्यवस्था बनने वाला है। पर इस बात के पीछे क्या आर्थिक तथ्य और साक्ष्य हैंड पांचवीं बडी अर्थव्यवस्था बनने का तमगा भारत को 2022 में मिला, जब उसने अर्थव्यवस्था के जीडीपी के आकार में इंग्लैंड को पीछे छोड़ा। 2014 में भारत दसवें पायदान पर हुआ करता था। उस समय भारत का जीडीपी 18.6 खरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था और भारत से आगे तब क्रमशः इटली (21.4 खरब डॉलर), ब्राजील (22.1 खरब डॉलर), इंग्लैंड (27.9 खरब डॉलर), फ्रांस (28.1 खरब डॉलर), जर्मनी (37 खरब डॉलर), जापान (52.1 खरब डॉलर), चीन (95.7 खरब डॉलर) तथा सबसे आगे अमेरिका (175.5 खरब डॉलर) थे।इससे साबित होता है कि पिछले एक दशक में भारत के जीडीपी में तकरीबन दो गुना से अधिक की बडोतरी हुई है। यह अपने आप में आश्चर्यजनक है, क्योंकि इस दौरान पूरे विश्व ने कोरोना महामारी के चलते लगभग दो वर्षों तक आर्थिक मंदी के दौर को देखा है और भारतीय अर्थव्यवस्था ने तो उस दौरान आजादी के बाद पहली दफा लगभग 25 फीसदी की नकारात्मक विकास दर को भी सहन किया था।

भारत के तीसरी बडी अर्थव्यवस्था बनने का पहली दफा उल्लेख अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने किया था। उसने भारत की लगातार चल रही छह और सात फीसदी की वार्षिक आर्थिक प्रगति दर को देखते हुए अनुमान लगाया कि वर्ष 2027 तक भारत का जीडीपी 50 खरब अमेरिकी डॉलर के स्तर से ऊपर निकल जाएगा। अभी भारत से आगे चल रहे जर्मनी और जापान तब क्रमश 49.5 खरब डॉलर और 50.8 खरब डॉलर के स्तर पर रहते हुए भारत से पीछे होंगे और तब भारत विश्व की तीसरी सबसे बडी अर्थव्यवस्था होगा। लेकिन इस हकीकत को भी समझना अत्यंत आवश्यक है कि भारत आज भी प्रति व्यक्ति आय के हिसाब से बहुत पीछे है। अगर इंग्लैंड से ही तुलना की जाए, जिसे पीछे छोडकर भारत पांचवीं अर्थव्यवस्था बना है, तो प्रति व्यक्ति आय में आज भी दोनों देशों में 20 गुना का अंतर है।इसके अलावा, पिछले एक दशक में प्रति व्यक्ति आय के हिसाब से

वैश्विक रैंकिंग में भारत मात्र छह पायदान ही ऊपर आया है। वर्तमान समय में 189 देशों में से प्रति व्यक्ति आय में 141वें स्थान पर है, जबकि 2013-14 में भारत 147वें स्थान पर था। इससे स्पष्ट है कि पिछले एक दशक में प्रति व्यक्ति आय में बडोतरी लगभग आधी से ही अधिक हुई है, जबकि जीडीपी दोगुना से अधिक बड़ा।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2012 में भारत में तकरीबन एक करोड़ से अधिक लोग बेरोजगार थे, जबकि 2022 में इनकी संख्या 2.29 करोड तक जा पहुंची थी, जिसके चलते बेरोजगारी की दर पिछले 10 वर्षों में 2.18 फीसदी से बडकर चार फीसदी पर पहुंच गई। इसके अलावा, भारत का कृषि क्षेत्र बहुत पीछे हो चुका है। जीडीपी में उसके अंशदान को बडाना अब अत्यंत आवश्यक हो गया है, अन्यथा प्रति व्यक्ति आय में बडोतरी बहुत आसानी से नहीं की जा सकती। 50 फीसदी जनसंख्या का रोजगार के लिए कृषि पर निर्भर रहना ही इसका प्रमुख कारण है। इसके अलावा, विनिर्माण क्षेत्र, जो रोजगार सृजन का एक बहुत बडा क्षेत्र है, को बडी तेजी से मुख्यधारा में लाना होगा। गौरतलब है कि पिछले तीन दशकों से भारत की अर्थव्यवस्था के विकास की बागडोर सेवा क्षेत्र के कंधों पर है। उसने इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया भी है, लेकिन आज भारत में तेजी से बडती आर्थिक विषमता, जो गरीबी और अमीरी के बीच खाई का प्रतीक है, उसके पीछे भी बहुत हद तक सेवा क्षेत्र है, क्योंकि जीडीपी में सेवा क्षेत्र का अंशदान 50 फीसदी से अधिक है, परंतु रोजगार में इसका अंशदान 30 से 35 फीसदी के बीच में ही है।इसलिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के कद को बडाने के साथ-साथ रोजगार के अवसरों में तेजी से बडोतरी अगर एक मकसद के रूप में नहीं रहा, तो तीसरी बडी अर्थव्यवस्था बनने के बाद भी भारत एक गरीब मुल्क के तौर पर ही अपनी पहचान रख पाएगा, जो एक कडवा सच होगा।

- साभार: यह लेखक के विचार हैं।

आज का इतिहास

- 1814 फर्डिनेंड ने 1812 के स्पेनिश संविधान को समाप्त कर दिया, जिससे स्पेन निरपेक्षता में लौट आया।
- 1836 न्यूयॉर्क सिटी में एक आयरिश कैथोलिक भ्रातृपवादी संगठन, प्राचीन ऑर्डर ऑफ़ हिबरियन, की स्थापना की गई।
- 1836 एक आयरिश कैथोलिक बिरादरीकरण के प्राचीन आदेश, हाइबरनियंस को न्यूयॉर्क शहर में स्थापित किया था।
- 1886 अज्ञात हमलावर ने पुलिस की भीड़ में बम फेंक दिया, जिससे शिकागो में हेमार्केट नरसंहार में एक शांतिपूर्ण श्रमिक रैली हो गई, जिसमें सात पुलिस अधिकारियों और कई लोगों की मौत हो गई।
- 1888 इटली और स्पेन ने सैन्य संधि पर हस्ताक्षर किये।
- 1896 लंदन में डेली मेल समाचार पत्र का पहला संस्करण प्रकाशित हुआ।
- 1904 संयुक्त राज्य सेना के इंजीनियरों ने पनामा नहर पर काम शुरू किया।
- 1924 फ्रांस की राजधानी पेरिस में आँठवे ओलंपिक खेलों की शुरूआत हुई।
- 1941 कोनराड ज़्यूज़ ने बर्लिन में जेड 3, दुनिया का पहला काम करने वाला प्रोग्राम, पूरी तरह से स्वचालित कंप्यूटर प्रस्तुत किया।
- 1942 कोरल सागर की लड़ाई 4 मई, 1942 को शुरू हुई थी और द्वितीय विश्व युद्ध के प्रशांत थिएटर में 5 दिनों तक चली थी। यह एक प्रमुख नौसैनिक युद्ध था, जो शाही जापानी नौसेना और संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलियाई नौसेना और वायु सेनाओं के बीच लड़ा गया था।
- 1942 द्वितीय विश्व युद्ध-इम्पीरियल जापानी नौसेना ने कोरल सागर की लड़ाई में मित्र देशों की नौसेनाओं की सगाई की, पहला बेड़ा कार्रवाई जिसमें विमान वाहक एक दूसरे से जुड़े।
- 1945 जर्मन फील्ड मार्शल बर्नार्ड मोंटगोमरी ने 4 मई, 1945 को नीदरलैंड, नॉर्वे और डेनमार्क में जर्मन सेना के बिना शर्त आत्मसमर्पण की शर्तों पर हस्ताक्षर किए, जो यूरोप में द्वितीय विश्व युद्ध के अंत से पहले थे।
- 1945 द्वितीय विश्व युद्ध- फील्ड मार्शल बर्नार्ड मोंटगोमरी ने नीदरलैंड, उत्तर पश्चिम जर्मनी और डेनमार्क में जर्मन सेना के बिना शर्त आत्मसमर्पण को स्वीकार किया।
- 1959 प्रथम वार्षिक ग्रैमी पुरस्कारों का आयोजन 4 मई, 1959 को लॉस एंजिल्स और न्यूयॉर्क में 1958 में उनके प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित संगीत हस्तियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया था।
- 1959 उद्घाटन ग्रैमी पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया था, अमेरिकी संगीत उद्योग में उपलब्धि को पहचानते हुए।
- 1961 कांग्रेस के नस्लीय समानता के नागरिक अधिकार कार्यकर्ता ने 4 मई, 1961 को अलग-अलग दक्षिणी संयुक्त राज्य में अंतर्राज्यीय बसों की पहली फ्रीडम राइड का आयोजन किया।
- 1967 मानव रहित अमेरिकी अंतरिक्ष यान लूनर ऑर्बिटर 4, लूनर ऑर्बिट प्रोग्राम का एक हिस्सा है, जिसे 4 मई, 1967 को लॉन्च किया गया था, ताकि उनकी प्रकृति, उत्पत्ति और प्रक्रियाओं के वैज्ञानिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए चांद की सतह के विस्तृत फोटोग्राफिक सर्वेक्षण को संचित किया जा सके।
- 1974 एक्सपो 74 विश्व मेले स्पोकाने का वॉशिंगटन में उद्घाटन किया।

निशाना

कर लिए स्वीकार !

मान गए वो झटपट ।
कर लिए स्वीकार ।।
फैसला है पार्टी का ।
व्यक्त किए उद्गार ।।
आने वाले कल का ।
हैं वही सितारा ।।
सार्वजनिक है सहमति ।
ना उसे नकारा ।।
आएगा अब जल्द ।
लगता अमृतलाल ।।
टल गया है संकट ।
शांत हैं सवाल ।।
फायदे का सौदा ।
चुपचाप ही रहना ।।
है ऐसी कहावत ।
बुजुर्गों का भी कहना ।।

- कृष्णेन्द्र राय

हिमाचल: सेब कारोबारियों को अभी से नुकसान की आशंका

खराब मौसम की वजह से पिछले साल के आर्थिक नुकसानों के तले दबे हुए हिमाचल प्रदेश के सेब कारोबार से संबंधित लोगों में इस बार फिर से डर और अनिश्चिंता का माहौल बना हुआ है। चाहे वो सेब उगने वाले बागबान हों, मंडियों को संचालित करने वाले आढ़ती हों, सेब के आवागमन से जुड़े ट्रांसपोर्टर्स या फिर निजी सी. ए. स्टोर ऑपरेटर्स हों, सभी लोग मौसम में आये अचानक बदलाव से चिंतित हैं। इस साल के मुनाफे से ज्यादा बडी चिंता इस बात की है कि पिछले साल के नुकसान और कर्ड की भरपाई हो पायेगी की नहीं। लेकिन वर्तमान हालात ऐसे हो रखे हैं कि प्रति बॉक्स पर 800-1000 रुपए तक का नुकसान चल रहा है (40-50 रुपए प्रति किलो)।

साल 2023 की प्रकृतिक त्रासदी के चलते हिमाचल प्रदेश की आधी से ज्यादा सेब की फसल बर्बाद हो गयी थी। हालत ऐसे हो गए थे कि किसानों की साल भर की मेहनत के बावजूद भी उनकी कमाई लागत से भी कम रही। शुरुआत के कुछ दिनों में हालाँकि सेब की कीमत में कुछ सुधार दिखा था, लेकिन क्वालिटी के आभाव के कारण वह भी ज्यादा दिन टिक नहीं सका। जिन लोगों ने सेब के भण्डारण के जरिये कुछ बेहतर कमाई की उम्मीद की थी, उचित मूल्यों के अभाव में उन्हें और भी ज्यादा नुकसान उठाना पडा है। यहाँ गौर करने की बात यह है कि सेब का भण्डारण और ट्रांसपोर्ट में अच्छी खासी लागत आती है और मुनाफे का मार्जिन हमेशा काफी कम होता है। इस परिस्थिति में उम्मीद बस इस बात पर टिकी होती है की क्वालिटी अच्छी हो और सेब की सप्लाई भी सुचारु रूप से हो। किन्तु 2023 में आई बाड की वजह से न तो सेबों की क्वालिटी अच्छी हो पायी, न ही उचित मात्रा में मंडियों में माल पहुँच पाया। लोग नुकसान के बावजूद इस उम्मीद पर कारोबार में टीके रहे कि अगले साल मौसम की मार नहीं पडेगी। लेकिन हिमाचल में फिर से एक बार मौसम ने गलत समय पर करवट ली है और बेमौसम बरसात ने पेडों की फ्लॉवरिंग और सेटिंग को नष्ट करना शुरू कर दिया है। इस समय हिमाचल में जहाँ तापमान 24 डिग्री के आसपास और खिली धूप वाला होना चाहिए था, वहीं करीब-करीब पूरे प्रदेश में फिर से हल्की ठण्ड और बदली का मौसम बना हुआ है। इन दिनों सेब में फ्लॉवरिंग का दौर चल रहा है, लेकिन लगातार भारी ओलावृष्टि होने से कुल्लू के लगभग एक दर्जन गांवों में सेब फसल पूरी तरह तबाह हो गई, जबकि कई जगह सेब के पेड़ों से फूल झड़ गए, हेलनेट फट गए, वहीं जिन बगीचों में एंटी हेलनेट नहीं थी, उनसे फूलों के साथ पत्ते भी गिर गए और इससे सेब की टनहियां व पेड़ भी टूट गए। बारिश के साथ-साथ तापमान के घटने-बडने से भी फसलों पर असर पड रहा है और मधुमक्खियां भी सही से परागण नहीं कर पा रही हैं। जाहिर है कि सही फ्लॉवरिंग न होने से उत्पादन पर भी गहरा असर पडेगा और यह न केवल बागबानों, बल्कि प्रोक्योरमेंट सेंटर्स का संचालन करने वाली निजी कंपनियों के लिए भी चिंता का विषय बना हुआ है। यही वजह है कि मौसम विभाग के साथ-साथ यह कंपनियां भी बदलते मौसम की प्रत्येक अपडेट पर नजर गडाई हुई हैं।

मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों के लिए भी खराब मौसम का अनुमान लगाया है और मैदानी व मध्यपर्वतीय इलाकों में आसमानी बिजली कड़कने व आधी चलने की आशंका जताई है, जबकि इस दौरान उच्चपर्वतीय इलाकों में लाहौल-स्पीति, किन्नौर, कुल्लू और चम्बा में बर्फबारी की सम्भावना जताई है।स्थिति यहाँ तक खराब बताई जा रही है कि कुछ निजी स्टोर ऑपरेटर्स पिछले साल के रेट पर खरीदी करने की हालत में ही नहीं हैं। अब सरकारी मदद की आस लगाए किसान और बाकी व्यवसायी इसी उम्मीद में हैं कि किसी तरह से बची-कुची फसल सही समय पर बिना किसी नुकसान के तैयार हो जाये।

बाइक शेयरिंग बुलबुला फूटा, बचे मलबे के ढेर

कुछ वर्षों से चीन में बाइक शेयरिंग का चलन शुरू हुआ। दर्जनों बाइक-शेयर कंपनियों ने शहर की सड़कों पर लाखों चमकीले रंग की किराए की साइकिलें भर दीं। तात्कालिक मांग काफी हद तक पूरी हो गई। चीनी नागरिक इस चलन से काफी खुश हो गए। लेकिन, लाखों शेयरिंग साइकिलों की अचानक बाढ़ को संभालने के लिए न तो बुनियादी ढांचा था और न ही कोई नियम। सवार कहीं भी बाइक पार्क कर देते या उन्हें छोड़ देते। परिणामस्वरूप साइकिलें जमा हो जाती हैं। कई बड़े शहरों शेनझान, बीजिंग और शंघाई में जब्त, छोड़ी गई और टूटी हुई साइकिलों के विशाल ढेर सामान्य से दृश्य बन गए हैं। कई कंपनियां बंद होने लगी हैं, उनकी साइकिलों का विशाल अधिशेष विशाल खाली स्थानों में धूल खाता पाया जा सकता है।

21 लाख की लागत से निर्मित जल जीवन मिशन योजना फेल चंदाखड़ के ग्रामीण पीने के पानी के लिए परेशान

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

सिवनी मालवा के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर पीने का पानी को घरों घर पहुंचने के लिए मध्यप्रदेश शासन की महत्वपूर्ण योजना ग्रामीण क्षेत्रों में किस प्रकार भ्रष्टाचारी की भेंट चढ़ गई है जिसका जीता जागता उदाहरण देखने हो तो सिवनी मालवा विकासखंड के अंतर्गत करोड़ों रुपए की लागत से बनाई गई लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जल जीवन मिशन (J.JM) अन्तर्गत ग्रामीण नलजल प्रदाय योजना कई गांव में सिर्फ नाम मात्र के लिए बनकर तैयार हैं जहां कहीं व्यवस्थाओं का आलम इनमें देखा जा रहा है। ग्राम पंचायत तिली आवली के अंतर्गत आने वाले ग्राम चंदाखाड़ में इन दोनों ग्रामीणों को पीने की पानी के लिए बड़ी समस्या पैदा हो गई है इन ग्रामीणों को दूर-दूर से पानी लेकर आना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया है कि हम मेहनत मजदूरी करने वाले लोग हैं सुबह से ही पानी की लाइन में लगना पड़ता है फिर घर में खाना बनाना पड़ता है उसके बाद हमको मजदूरी करने जाना पड़ता है वही स्थिति शाम को भी मजदूरी करके लौट के आने के समय बन जाती है। उसी गांव की पूजा,मालती बाई, कांति, फूलवती, अंजू सविता,विनीता,अनीता, सहित ग्रामीणों ने मांग की है कि फिलहाल हमारे गांव में हैंडपंप लगाया जाए जिससे कि हमारी पानी की समस्या का हल हो सके वहीं दूसरी ओर नल जल योजना भी चालू की जाए।

रिकॉर्ड में 3 साल पहले चालू हुई थी नल जल योजना

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जल जीवन मिशन (J.JM) अन्तर्गत ग्रामीण नलजल प्रदाय योजना ग्राम चंदाखड़ मे दिनांक 17/02/2021 को 21,83793-00 लाख की लागत से लोकस्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, खण्ड- सिवनी मालवा द्वारा शुरू की गई थी। जिसमे 1 नलकूप खनन हुआ है 110 मि.मी. व्यास, एच.डी.पी.ई. पाईप मी. लंबाई जिसमें घरो घर नल कनेक्शन 104 रिकॉर्ड में दर्ज है लेकिन वर्तमान में देखा जाए तो इन नलों से आज तक ग्रामीण पानी आने का इंतजार कर रहे हैं।

मढ़ई में योग एवं वेलनेस रिट्रीट में पर्यटकों ने जमकर उठाया लुत्फ

पर्यटकों के लिए पर्यटन स्थल पर मिला नया अनुभव...

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मढ़ई में मप्र टूरिज्म बोर्ड द्वारा ऑफबीट डेस्टिनेशन मढ़ई में योगा एवं वेलनेस रिट्रीट कार्यशाला का हुआ शुभारंभ। इस दौरान भक्ति साधना मेडिटेशन, प्राचीन सूर्य क्रिया, बर्ड वॉचिंग, वाइल्डलाइफ सफारी पर्यटकों को कराई गई। पर्यटकों ने उत्साह दिखाते हुए सभी गतिविधियों का उठाया लुफ्त। पर्यटकों को पर्यटन स्थल पर इन गतिविधियों को करते हुए नया अनुभव लिया एवं सभी ने इस कार्यक्रम की सराहना की। इस तरह की गतिविधियां पहले कभी अन्य पर्यटन स्थलों पर नहीं मिली ये नवाचार था उनके लिए। बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक बिदिशा मुखर्जी ने बताया बोर्ड द्वारा साक्षी-द डिवाइन विटनेस संस्था के साथ मढ़ई के सुरम्य प्राकृतिक सौंदर्य के मध्य योग एवं मेडिटेशन रिट्रीट के आयोजन में, अन्य और भी गतिविधियों को कराया जाएगा। बोटिंग, पोटरी आर्ट, एवं स्टार गेजिंग जैसी गतिविधियां भी है। चित शक्ति मेडिटेशन एवं जंगल ट्रेकिंग का आनंद भी पर्यटकों द्वारा उठाया गया।

कलेक्टर ने ली कार्यालय के लिपिक वर्गीय कर्मचारियों की बैठक

पत्रों पर गंभीरतापूर्वक कार्रवाई कर पंजियों का संधारण करें: कलेक्टर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर कार्यालय के कर्मचारी शासन से प्राप्त हर पत्र पर गंभीरता पूर्वक कार्य करें। पंजियों का संधारण ठीक से करते हुए सभी जानकारी पोर्टल में दर्ज करें। सभी कर्मचारियों की निष्ठा अपने कार्य शासन एवं कर्तव्य के प्रति होनी चाहिए उक्त निर्देश कलेक्टर सोनिया मीना ने शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय के लिपिक वर्गीय कर्मचारी की बैठक में दिए। कलेक्टर ने लिपिक वर्गी कर्मचारी से उनकी शाखाओ एवं सौपे गए कार्यो की जानकारी ली एवं आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि कई बार लिपिकीय स्तर पर कागज में मार्क हो जाता है लेकिन रिमाइंडर नहीं होता है। अतः जो पत्र मार्क हो के विभाग में प्रेषित होते हैं और विभाग से यदि जवाब नहीं आते हैं तो उन पत्रों में रिमाइंडर अवश्य करें और अपने संबंधित प्रभारी अधिकारी को इससे अवगत कराए। कलेक्टर ने कहा कि कर्मचारियों की जानकारी के आधार पर ही अधिकारी कार्य एवं प्रस्तुत जानकारी के आधार पर ही अधिकारी निर्णय करते हैं।

अतः प्रभारी अधिकारी को इस बात से जरूर अवगत कराए की रिमाइंडर का भी जवाब नहीं आ रहा है और अप्रिय स्थिति बन रही है। कलेक्टर ने सभी कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वह अपनी अपनी शाखाओं का गाइड फाइल जरूर बनाएं। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी को अपने फील्ड की व्यापक जानकारी है, अतः सभी कर्मचारी गंभीरता पूर्वक कार्य करें।

कलेक्टर ने आर्म्?स की जानकारी लेते हुए कहा की सभी आर्म्स लाइसेंस एवं नवीनीकरण के केस बेहतर ढंग से संधारित हो और समय-समय पर अपर कलेक्टर को संबंधित लिपिक जानकारी से अवगत कराते रहे। उन्होंने आर्म्स में शस्त्र लाइसेंस के नवीनीकरण के प्रकरण की समीक्षा की, बताया गया कि आचार संहिता के कारण अभी नवीनीकरण के प्रकरण का निराकरण नहीं हो रहा है और जो भी नए प्रकरण आचार संहिता से पहले प्राप्त हुए थे उन्हें पोर्टल में दर्ज कराया गया है। बताया गया की नवीनीकरण के ऐसे प्रकरण जो आचार संहिता के बाद आए हैं आचार संहिता खत्म होने के बाद तत्काल नवीनीकरण करके संबंधित को जारी कर दिया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि कई आर्म्स के प्रकरण 31 मार्च को डयू हो गए होंगे उन सब प्रकरण को आचार संहिता के बाद प्राथमिकता से निराकृत किया जाए। आर्म्स का कोई भी प्रकरण पेंडिंग ना रहे।

बताया गया कि अभी अनुकंपा नियुक्ति एवं रिक्त पद के कुछ प्रकरण लंबित है। इनमें विभागीय स्तर से कार्रवाई की जानी है। कलेक्टर ने कहा कि विभागीय स्तर पर अनुकंपा नियुक्ति के पद रिव्यू करेंगे उन्होंने कहा कि हमारे स्तर पर कोई भी पत्र या पद लंबित न रहे। कलेक्टर ने समय समय पर पद का रोस्टर रिव्यू करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि कई बार विभिन्न विभागों के पद क्लियर ना होने के कारण

शासकीय कर्मचारियों की निष्ठा शासन, कर्तव्य एवं कार्य के प्रति रहे

पूर्ति नहीं हो पाती है ऐसे पदों को क्लियर करें। पद की पूर्ति करने से पहले संबंधित पद का परीक्षण अवश्य करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए की शिक्षा विभाग में अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों को देखते हुए सामान्य प्रशासन विभाग से अनुकंपा नियुक्ति के नवीन नियम मंगा कर उसी के अनुरूप कार्रवाई करना सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने पटवारी प्रशिक्षण शाला में चल रहे ट्रेनिंग की जानकारी ली। बताया गया कि नवनियुक्त पटवारियो का 6 माह का प्रशिक्षण सत्र चल रहा है। कलेक्टर ने निर्देश दिए की सभी नवनियुक्त पटवारियो को रोवर मिशन का प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से दिया जाए। बताया गया कि स्टेट लेवल के दो मास्टर ट्रेनर रोवर मिशन का प्रशिक्षण देंगे।

कलेक्टर ने डिप्टी कलेक्टर अनिल जैन को निर्देश दिये कि वे जिला स्तर एवं तहसील स्तर पर स्थापित रिकॉर्ड रूम को चेक करें। 15 दिनो में सभी तहसीलों में जाकर रिकॉर्ड रूम देखें और इसकी एक प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार करें। रिपोर्ट में यह बताएं की फाइलों का संधारण कैसे हो रहा है। बताया गया कि रिकॉर्ड रूम में 1914 के रिकॉर्ड तक सुरक्षित हैं। जाति प्रमाण पत्र का रिकॉर्ड 60 वर्ष तक सुरक्षित रखा जाता है। कलेक्टर ने कहा कि कितने प्रकरण रिकॉर्ड रूम में दर्ज हैं कितने कम है इसकी फॉर्मेट में जानकारी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने विगत 10 वर्षों से स्थापित ग्रामों के रिकॉर्ड भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए और कहां की आर आई एवं पटवारी को बुलाकर तत् संबंध में कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर ने सड़क दुर्घटना के प्रकरण, कलेक्टर कार्यालय में अलग-अलग मदों में आने वाले बजट, वाहन, स्टेशनरी आदि के मद की जानकारी ली। साथ ही पिछले 1 वर्ष में किस मद में कितनी राशि प्राप्त हो रही है इसकी जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि समय सीमा के कुछ प्रकरण लंबित है। कलेक्टर ने संबंधित प्रभारी अधिकारी को निर्देश दिए की 1 साल से ऊपर के लंबित प्रकरणों में संबंधित अधिकारी को नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने वर्ष 2020-2022 के लंबित प्रकरणों पर अपर कलेक्टर को निर्देश दिए कि वे संबंधित को नोटिस जारी करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि धर्मस्य विभाग के कर्मचारी धर्म एवं न्यासो एवं जिले में लगने वाले मेलों की जानकारी अपडेट करे। कलेक्टर ने सभी कर्मचारियों से कहा कि यदि उन्हें कार्य करने में कोई परेशानी आ रही है तो उन्हें अवगत कराए उनकी सभी समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से किया जाएगा। कलेक्टर ने सभी कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वह हर हाल में अपने कार्यालय की गोपनीयता बनाकर रखें कोई भी पत्र या आदेश लीक ना करें।

सावधानी हटते ही करंट से हो सकती हैं दुर्घटनाएं, विद्युत वितरण कंपनी ने जारी की सलाह

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने जनता को आगाह किया है कि जरा सी असावधानी करंट से बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए आमजन करंट से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम में सहयोग करें एवं बिजली लाइनों तथा ट्रांसफार्मर से उचित दूरी बना कर रखें। विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि विद्युत लाइनों, ट्रांसफार्मर एवं उपकरणों के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ न करें तथा सुरक्षित दूरी बनायें रखें। यदि आँधी-तूफान में खंबे, तार आदि टूटे हों, तो इसकी सूचना तत्काल कंपनी के शिकायत कॉल सेंटर के टोल फ्री नं. 1912 पर, उपाय एप एवं समीप के वितरण केन्द्र कार्यालय में दें।

आमजन विशेष रूप से ध्यान दें कि यदि जमीन पर बिजली के तार टूटे पड़े हैं, तो उन तारों को छूने या स्पर्श करने की गलती न करें साथ ही उनके ऊपर से निकलने का प्रयास न करें। पान टपरों तथा ऐसी दुकानों, जिनमें लोहे की चादर का इस्तेमाल होता है, में वायरिंग को सुरक्षित ढंग से पी.वी.सी. पाइप के द्वारा ही कराई जाए। किसी प्रकार की कटी-फटी लूज वायरिंग से जान-माल का खतरा हो सकता है। बारिश के दौरान विद्युत खम्बे, स्टे के पास पानी भराव वाले स्थान से निकलने की जल्दी न करें। करंट से सावधानी जरूर बरतें, जिससे किसी तरह की कोई बड़ी दुर्घटना न घटे। हमारी सावधानी ही करंट से बचाव करने में सहायक है। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि बच्चों और मवेशियों का विशेष ध्यान रखें।

जिले में स्थापित कंट्रोल रूम के लिए लगाई कर्मचारी की ड्यूटी

नर्मदापुरम। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदापुरम ने लोकसभा निर्वाचन 2024 के परिप्रेक्ष्य में नर्मदापुरम में निर्वाचन स्वतंत्र एवं निष्पक्ष कराने के लिए जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष, शिकायत रजिस्टर के लिए जिला मुख्यालय नर्मदापुरम में कॉल सेंटर स्थापित कर कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। उक्त अधिकारी कर्मचारी निर्वाचन समाप्ति तक निर्धारित समय पर कंट्रोल रूम में उपस्थित रहकर आवश्यक कार्य करना सुनिश्चित करेंगे। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदापुरम ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि कंट्रोल रूम निर्वाचन समाप्ति तक 24 घंटे सक्रिय रहेगा। कंट्रोल रूम में प्रात:8 बजे से सायं 4 बजे तक, सायं 4 बजे से रात्रि 12 बजे तक एवं रात्रि 12 बजे से प्रात:8 बजे तक अधिकारियों/कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।उक्त आदेश में प्रात:8 बजे से सायं 4 बजे तक पूर्व में कार्यरत कर्मचारी के स्थान पर अब कम्प्यूटर ऑपरेटर तरुण पाठक मोबाइल नंबर 9893025728 की ड्यूटी लगाई गई है। कंट्रोल रूम में उक्त संशोधन के अलावा पूर्वानुसार कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा सौंपे गये कार्य संपादित किये जायेंगे।

मेट्रो एंकर | स्कूटर पर सवार दोनों आरोपी को पुलिस ने इंदौर-सीहोर रोड पर जाते हुए पकड़ा

यू-ट्यूब से ऑनलाइन फ्रॉड करने का तरीका सीखकर ज्वेलर्स की दुकान से ले उड़े जेवरात

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम आशुतोष मिश्र एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) नर्मदापुरम पराग सैनी के निर्देशन में थाना नर्मदापुरम.कोतवाली पुलिस द्वारा अंतर्राज्य जालसाज गिरोह का पर्दाफाश करने एवं गिरोह से 1,17,500/- रुपये के जेवरात जप्त करने में सफलता प्राप्त की है। ज्ञात हो कि दिनांक 30/4/24 को सराफा व्यवसायी जगदीश सोनी साँवरिया ज्वेलर्स ने थाना कोतवाली नर्मदापुरम में रिपोर्ट किया कि अज्ञात 02 व्यक्ति उनकी दुकान पर आए और 01 सोने की चेन व 01 सोने की अंगूठी कीमती 1,17,500/- रुपये खरीदी एवं ऑनलाइन पेमेंट के लिए क्यूआरकोड पर अपने पिता द्वारा पेमेंट करने का बोला और पेमेंट पूर्ण (क्रेडिट) होने का मैसेज दिखाकर दुकान से चले गए। उन दोनों व्यक्तियों के जाने के बाद से मैसेज प्राप्त नहीं होने पर फरियादी द्वारा अपना अकाउंट देखा गया, जो उसमे भी राशि प्राप्त नहीं होने पर फरियादी द्वारा उक्त घटनाक्रम की रिपोर्ट की गयी थी, जिस पर थाना कोतवाली नर्मदापुरम में 02 अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध अपराध क्र. 351/24 धारा 420 भादवि) का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया था। पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी

फुटेज को खंगाला गया, जिसमे दोनों संदिग्ध ज्यूपिटर स्कूटी से भोपाल तरफ जाना पाया गया, फुटेज के आधार पर 01 पुलिस टीम भोपाल स्वाना की गयी। ष्ह्ल1 फुटेज को फॉलो करते हुए देखने पर दोनों संदिग्ध का भोपाल से सीहोर की ओर जाना पाया गया। जिस पर दिनांक 01/05/24 को थाना कोतवाली नर्मदापुरम की दूसरी पुलिस टीम को सीहोर रवाना किया गया। सीहोर इंदौर रोड पर उक्त दोनों संदिग्ध ज्यूपिटर गाड़ी से इंदौर तरफ जाते दिखे, जिनका पीछा करते हुए दोनों पुलिस टीम द्वारा आष्टा से उक्त दोनों संदिग्धों को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया, जिसके बाद उनका नाम पता पूछने पर अपना नाम प्रतीक आचार्य पिता स्व. मधुसूदन आचार्य उम्र 23 वर्ष नि. म. नं. 13 सड़क नंबर 8 भिलाई छत्तीसगढ़ एवं मनीष कौशिक पिता रामानुज कौशिक उम्र 22 वर्ष नि. वार्ड क्रमांक 48 दुर्गा मंदिर के पास खुर्सीपार भिलाई छत्तीसगढ़ का होना बताया। उक्त दोनों व्यक्तियों से घटना के संबंध में पूछताछ करने पर उक्त घटना स्वीकार की एवं नर्मदापुरम जिले के इटारसी शहर व अन्य जिलो मे इस प्रकार की घटना करना बताया गया है। उक्त दोनों व्यक्तियों द्वारा जालसाज कर लिए गए जेवरात जप्त किए जाकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया एवं दोनों व्यक्तियों को दिनांक 02/05/24 को न्यायालय पेश किया गया । उक्त दोनों आरोपियों के संबंध में अन्य जिलों को जानकारी दी गयी है। पुलिस द्वारा सम्पूर्ण घटना का पर्दाफाश करने में लगभग 140 स्थानों पर लगे ष्ह्ल1 केमरो की फुटेज देखी गयी। प्रकरण का आरोपी प्रतिक आचार्य मुंबई से होटल मैनेजमेंट की पढाई कर रहा है एवं आरोपी मनीष कौशिक भिलाई से पोलिटेक्निक की पढ़ाई कर रहे है।

इन पुलिस कर्मियों ने निभाई मुख्य भूमिका

पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुर करन सिंह के मार्गदर्शन में गठित पुलिस दल में निरीक्षक सौरभ पांडे थाना प्रभारी थाना कोतवाली नर्मदापुरम, उनि. महेश जाट, सउनि. दिनेश मेहरा, सउनि) वीरेंद्र शुक्ला प्र. आर. विशाल भदौरिया, आर. राजकुमार, आर. अंकित, आर. संगीत, आर. रवि, आर. कपिल, आर. जितेंद्र, आर. अभिषेक (साइबर सेल) आर. रितेश, आर. संजय, आर. संतोष टेकाम, आर. सबलू यादव की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस द्वारा सभी दुकानदारों को उपयोगी सूचना दी कि सभी व्यवसायी अपने प्रतिष्ठान में एवं प्रतिष्ठान के बाहर cctv कैमरे लगवाये एवं QR से पेमेंट प्राप्त करने में सावधानी रखे ।

शिकायत के बाद भी भ्रष्टाचारियों पर जिम्मेदार नहीं कर रहे है कार्रवाई

पथरिया सचिव ने सीईओ के नोटिस पर भी नहीं दिया जवाब

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पिछले दिनों ग्राम पंचायत पथरिया के सचिव पर कूप की राशि निकलवाने के बदले में 10000 की राशि मांगने की शिकायत शपथ पत्र के साथ पीड़ित गौरव रघुवंशी ने एसडीएम हर्षल चौधरी से की गई थी साथ ही गांव की कई महिलाओं ने पंचायत सचिव पर जानबूझकर उन्हें लाडली बहन योजना से वंचित रखने की शिकायत की थी इसके बाद जांच करके कार्रवाई करने के लिए एसडीएम ने जनपद सीईओ को निर्देशित किया था उनके द्वारा नोटिस जारी करके पंचायत सचिव को कार्यालय में बुलाया था शिकायत के कई दिन बीत जाने के बाद भी पंचायत सचिव जवाब देने के लिए जनपद कार्यालय नहीं पहुंचा अब इनको एससीएन जारी करके शनिवार को कार्यालय उपस्थित होने के लिए जनपद सीईओ ने निर्देशित करने की बात की है। दूसरी और लापरवाहियों के चलते पहले भी पंचायत सचिव सस्पेंड हो चुके हैं। फिर भी अपने काम में परिवर्तित नहीं कर रहे है। ग्रामीणों को शासन की योजना का लाभ देने के बदले में भ्रष्टाचार करने की शिकायतें सामने आ रही है, गांव की मजदूर महिलाओं को लाडली बहन से वंचित रखने का मामला भी सामने आया है। बड़ी संख्या में सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत हैं दर्ज हैं। इसके बाद भी कार्रवाई करना हो तो दूर की बात जांच करने का काम भी नहीं किया जा रहा है। जिनके द्वारा पंचायत सचिव की शिकायत की है वह सही है गलत है उसकी जांच भी जिम्मेदा अधिकारियों ने नहीं कर रहे है ।आखिर किसके दबाव में अधिकारी जांच भी नहीं करवा पा रहे हैं। ग्रामीण ने बताया कि हमें शासन की योजना के नाम पर खुलेआम परेशान किया जा रहा है बिना पैसे लिए कोई काम नहीं किया जाता है जो पैसे दे देता है उसको शासन योजना का लाभ मिल जाता है जो नहीं देता है उसको इसी तरह परेशान करते हैं।

एक बार हो चुके हैं निलंबित - पथरिया पंचायत में सदस्य सचिव लापरवाही को लेकर एक बार सस्पेंड हो चुके हैं, पर नेताओं के संरक्षण से कुछ समय बाद इनको इसी पंचायत में फिर तैनात कर दिया है । चुनाव को लेकर आचार संहिता लगी हुई है फिर भी नियम वृद्धि कम इस पंचायत में हो रहे हैं शिकायत आने के बाद भी कार्रवाई नहीं हो रही है। दूसरी ओर पंचायत सचिव के द्वारा अपने हिसाब से अपनी पंचायत में काम किया जा रहा है उसे किसी भी ग्रामीण की शिकायत का कोई डर नहीं है क्योंकि शिकायत के बाद भी इतना समय बीत चुका है किसी भी तरह की कोई जांच नहीं हुई पंचायत सचिव उल्टा जनपद सीईओ के नोटिस पर जवाब देने के लिए भी नहीं पहुंचे इस बात अंदाज लगा सकता है कि उन्हें किसी का डर नहीं है।

राशि के लिए भटक रहा है किसान

लंबे समय से किसान गौरव रघुवंशी के द्वारा अपने खेत में कुआ खुदवा कर हजारों रुपए की राशि स्वयं के द्वारा खर्च कर दी गई है । पंचायत सचिव के द्वारा इनकी राशि नहीं डलवाई जा रही है। राशि को डलवाने के लिए पंचायत सचिव के द्वारा 10000 रिश्वत के रूप में मांगे जा रहे हैं इसकी शिकायत गौरव रघुवंशी के द्वारा की जा चुकी है फिर भी कार्रवाई नहीं हो रही है । पीड़ित किसान के खाते में राशि नहीं डलवाई जा रही है। इस वजह से किसान की चिंताएं बड़ी हुई है यदि राशि नहीं आई तो वह अपना कुआ का काम नहीं करवा पाएगा आखिर जिम्मेदार इतनी लापरवाही क्यों कर रहे हैं।

नियम विरुद्ध तैनात है पंचायत सचिव

शासन के नियम अनुसार 3 वर्ष से अधिक की सेवा एक पंचायत में सचिव नहीं दे सकते हैं पर एक पंचायत में कई वर्षों सचिव तैनात इनको इन पंचायत से हटाने का काम भी नहीं किया जा रहा है। नियम के अनुसार विकासखंड की दूसरी पंचायत में ऐसे सचिवों को पदस्थ करना चाहिए क्योंकि यह चुनाव को प्रभावित भी कर सकते हैं इनका सीधा आम जनता से संपर्क होता है। निष्पक्ष चुनाव के लिए पंचायत सचिवों का बदलना आवश्यक होता है पर विकासखंड में इस नियम की भी खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

इनका कहना है -

हमने पंचायत सचिव को नोटिस जारी करके जवाब देने के लिए बुलाया था पर अभी तक नहीं आया एससीएन जारी कर दिया है। आज उसको बुलाकर जवाब लेंगे।

वंदना शर्मा जनपद सीईओ

ऑपरेशन से दो महिलाओं की अस्पताल में कराई डिलीवरी

सिरोंज। शुक्रवार को राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय में सिजेरियन ऑपरेशन द्वारा 2 महिलाओं की सफलतापूर्वक डिलीवरी कराई गई। अस्पताल में वर्ष 2017 के बाद से अब तक गाइनेकोलॉजिस्ट पदस्थ न होने के कारण हॉस्पिटल में सिजेरियन ऑपरेशन नही हो पा रहे थे। इस वजह से ऑपरेशन से डिलीवरी होने नहीं होने के कारण गर्भवती महिलाओं के परिजनों को ऑपरेशन के लिए इनको लेकर बाहर जाना पड़ता था इस कदम से आसपास की प्रसूति महिलाओं को इस सुविधा का लाभ मिलेगा। पीएमओ विकास सिंह ने बताया कि ऑपरेशन से डिलीवरी करवाने के लिए लंबे समय से प्रयास किया जा रहा था अब जाकर हमें सफलता मिली है। दो महिलाओं की डिलीवरी में किसी भी तरह की परेशानी नहीं हुई ऑपरेशन से डिलीवरी हुई है दोनों ने बच्चियों को जन्म दिया है। ऑपरेशन में टीम में डा. सुमन माहोर स्त्री रोग विशेषज्ञ, डा. शिवानी मालवीय चिकित्सा अधिकारी,नर्सिंग इंचार्ज स्वीटी वर्गीस,सीनियर नर्सिंग ऑफिसर रीना जॉय,नर्सिंग ऑफिसर दिव्या बघेल आदि ने मिलकर डिलीवरी कराई।

शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी रूप से संपन्न हो निर्वाचन प्रक्रिया: कलेक्टर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा चुनाव 2024 अंतर्गत 7 मई को मतदान प्रक्रिया के सुव्यवस्थित रूप से क्रियान्वयन हेतु की जा रही तैयारियों के परिपेक्ष्य में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बुद्धेश कुमार वैद्य ने आज सभी सेक्टर ऑफीसरों की बैठक सह प्रशिक्षण में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया है।

कलेक्टर ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष व पारदर्शी तरह से संपन्न हो इस हेतु सेक्टर मजिस्ट्रेट गंभीरता पूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करें। निर्वाचन कार्यो में संलग्न जिले के सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए हैं कि मतदान सामग्री वितरण हेतु अभी से ही अलर्ट हो जाएं मतदान सामग्री की चेक लिस्ट लेकर मिलान कर लें और यदि कहीं सामग्री में कमी है तो उसकी पूर्ति कराएं इसकी रिपोर्ट सहायक रिटर्निंग ऑफिसर को भी प्रस्तुत करें, यह कार्य गंभीरता से करें। मतदाताओं को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी ना हो इसका विशेष ध्यान रखें इसके लिए पर्याप्त मात्रा में बिजली, पानी, ठंडा शुद्ध पेयजल, छांव के लिए टेंट, बैठने के लिए कुर्सी इत्यादि के प्रबंध सुनिश्चित करें इसके साथ ही उन्होंने मतदान दल के अधिकारी, कर्मचारियों की सुविधा हेतु शौचालय, स्नान करने के लिए पानी, भोजन, पेयजल इत्यादि व्यवस्थाओं की पूर्ति के लिए भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्र से 100 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार का जमावड़ा नहीं हो इसका विशेष ध्यान रखें।

अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में आयोजित बैठक सह कार्यशाला में उपस्थित सेक्टर मजिस्ट्रेट के प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कहा कि 4 मई को सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे। वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगाया जाएगा। सेक्टर ऑफीसरों को नियत किए गए मतदान केन्द्रों का भ्रमण करना है और जानकारी प्रस्तुत करना है। उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्रों में स्वच्छता, शौचालय तथा ग्रीष्मकल को दृष्टिगत रखते हुए शुद्ध पेयजल एवं पंखा इत्यादि की व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों। उन्होंने कहा कि सेक्टर ऑफिसर मतदान केदो का भ्रमण कर अभी से ही प्रत्येक मतदान केंद्र से 100 मीटर की दूरी का चिन्हांकन कर लें और साथ ही साथ मतदान केन्द्रों के ताले, चाबी का भी विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि मतदान केदो पर सीसीटीवी कैमरा से निगरानी की जाएगी। जिले के क्रिटिकल एवं बर्ल्नरेबल मतदान केन्द्रों में की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के निर्देश भी उनके द्वारा दिए गए हैं। जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर योगेश भरसट ने बताया कि 7 मई 2024 को मतदान होना है उन्होंने सभी मतदाताओं से कहा कि मतदाता बंधु मतदान करने जाएं तो पर्ची के साथ-साथ कोई भी एक पहचान पत्र अवश्य लेकर जाएं ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े इसके साथ ही उन्होंने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को 4 मई की सांय छह बजे से विदिशा नगर के एसएटीआई महाविद्यालय से निकाली जा रही विशाल कार रैली में शामिल होने का आव्हान किया है ताकि विदिशा जिले में शत-प्रतिशत मतदान संभव हो। प्रशिक्षण में उप जिला निर्वाचन अधिकारी मोहिनी शर्मा, संयुक्त कलेक्टर शशि मिश्रा समेत अन्य अधिकारी गण व सेक्टर मजिस्ट्रेट मौजूद रहे। जबकि खंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जुड़े रहे। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स श्री राकेश कुमार बरसैया ने मतदान सामग्री वितरण सहित सेक्टर ऑफीसरों को सौंपे गए दायित्वों के निहित बिंदुओं की जानकारियां बारीकी से अवगत कराई हैं।

निकाली मतदाता जागरूकता रैली, दिया मतदान करने का संदेश, नुक्कड़ नाटक भी किया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर के शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नाकोत्तर महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग द्वारा वसीम उल्ला खांन के निर्देशन में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली महाविद्यालय से प्रारंभ होकर छतरी नाका चौराहे पर समाप्त हुई। रैली में विद्यार्थी बैनर एवं तख्ती लेकर चल रहे थे एवं प्रेरक नारे भी लगा रहे थे। महाविद्यालय के एनएसएस,एनसीसी एवं अन्य छात्रों ने नुक्कड़ नाटक कर अधिक से अधिक मतदान करने के लिए दुकानदारों एवं राहगीरों को जागरूक किया। स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने दुकानदारों के पास जाकर उनसे 7 मई को मतदान करने के लिए अनुरोध किया। दुकानदारों ने भी आश्वस्त किया कि मतदान के दिन वह अपनी दुकान बंद करके मतदान करने जरूर जाएंगे। रैली में स्टाफ की ओर से सैयद उरूज अहमद, अवधेश पांडे, कल्पना पंचोली, प्रोफेसर संघ प्रिय गौतम, समृथ निनामा, विभा श्रीवास्तव, लोकेश टोपिया, शबाना परवीन, आनंद यादव, मीनाक्षी शर्मा, वीरेंद्र सेन, डॉक्टर शाकिर खान, लखन यादव, अजय चौधरी, नरेंद्र दांगी, शिवचरण पंथी, श्यामलाल बिजोले का अच्छा सहयोग रहा। प्राचार्य डॉक्टर लालचंद राजपूत स्वयं रैली के साथ चलकर विद्यार्थियों में जोश भर रहे थे।

जिले की पांचों विधानसभाओं के लिए ईव्हीएम, व्हीव्हीपीएटी आवंटित

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा चुन5ाव 2024 के लिए द्वितीय रेंडमाइजेशन उपरांत विदिशा जिले की पांचो विधानसभाओं के लिए ईव्हीएम व व्हीव्हीपीएटी आवंटित की गई है की जानकारी देते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने बताया कि जिले के सभी 1341 मतदान केन्द्रों के लिए विदिशा जिले में कुल 1341 (बीयू) यूनिट्स, 1341 (सीयू) यूनिट्स एवं 1341 व्हीव्हीपीएटी यूनिट्स आवंटित की गई हैं। जबकि 263 बीयू और 263 सीयू यूनिट्स तथा 396 व्हीव्हीपीएटी यूनिट्स रिजर्व में रखी गई हैं। संसदीय क्षेत्र क्रमांक 18 विदिशा अंतर्गत आने वाली विदिशा विधानसभा के लिए क्रमशः अलग-अलग 276-276 बीयू यूनिट्स और कंट्रोल यूनिट्स आवंटित हैं के अलावा 54- 54 बीयू और कंट्रोल यूनिट्स तथा 81 व्हीव्हीपीएटी यूनिट्स रिजर्व में रखी गई हैं। इसके अलावा बासौदा विधानसभा के लिए क्रमशः 262-262 अलग-अलग बीयू यूनिट्स और कंट्रोल यूनिट्स के अलावा 51-51 बीयू यूनिट्स और कंट्रोल यूनिट्स तथा 81 व्हीव्हीपीएटी यूनिट्स रिजर्व में है।

संसदीय क्षेत्र क्रमांक 5 सागर अंतर्गत आने वाली कुरवाई विधानसभा के लिए क्रमशः 296-296 अलग-अलग बीयू यूनिट्स और कंट्रोल यूनिट्स आवंटन के अलावा 59-59 बीयू यूनिट्स और कंट्रोल यूनिट्स तथा 88 व्हीव्हीपीएटी यूनिट्स रिजर्व में रखी गई हैं। सिरोंज विधानसभा के लिए क्रमशः 254-254 अलग-अलग बीयू यूनिट्स और कंट्रोल यूनिट्स आवंटन के अलावा 50-50 बीयू यूनिट्स और कंट्रोल यूनिट तथा 76 व्हीव्हीपीएटी रिजर्व में रखी गई हैं। शमशाबाद विधानसभा के लिए क्रमशः 253-253 बीयू यूनिट्स और कंट्रोल यूनिट्स आवंटन के अलावा 49-49 बीयू यूनिट्स और कंट्रोल यूनिट तथा 74 व्हीव्हीपीएटी मशीन रिजर्व में रखी गई हैं। मतदान सामग्री का वितरण 6 मई को, प्रातः 7 बजे से - लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत जिले की पांचो विधानसभाओं में निर्वाचन के लिए सामग्री वितरण का कार्य 6 मई की प्रातः 7 बजे से प्रारंभ होगा। मतदान सामग्री वितरण हेतु पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। साथ ही साथ मतदान दल के अधिकारी, कर्मचारियों को मतदान सामग्री प्राप्ति के लिए नियत समय व स्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने बताया कि संसदीय क्षेत्र क्रमांक 18 विदिशा अंतर्गत आने वाली विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 144 विदिशा एवं संसदीय क्षेत्र क्रमांक 18 सागर में शामिल विदिशा जिले की विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 148 शमशाबाद के लिए शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेड़ी से मतदान सामग्री का वितरण होगा। जबकि संसदीय क्षेत्र क्रमांक 18 विदिशा की विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 145 बासौदा के लिए बासौदा के शासकीय संजय गांधी महाविद्यालय से मतदान सामग्री का वितरण होगा।

मेट्रो एंकर | **महाविद्यालय में सत्र 2024 - 25 में प्रवेश के लिए प्रक्रिया प्रारंभ**

एबीसी आईडी बनवाना आवश्यक, जिनके बच्चों के आधार में मोबाइल नंबर लिंक नहीं, उन्हें हो रही है परेशानी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों में सत्र 2024 - 25 में ई प्रवेश हेतु मार्गदर्शी सिद्धांत, नियम उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी कर दिए गए हैं । स्नातक स्तर पर प्रवेश प्रक्रिया 1 मई 2024 एवं स्नातकोत्तर स्तर पर 2 मई 2024 से प्रारंभ हो चुकी है। शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिरोंज में स्नातक स्तर पर बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए में विद्यार्थी प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसी प्रकार स्नातकोत्तर स्तर पर एमएससी प्राणी शास्त्र, वनस्पति शास्त्र, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र एवं गणित एमए राजनीति शास्त्र, हिंदी, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, एमकॉम एवं पीजीडीसीए में प्रवेश ऑनलाइन आवेदन कर प्राप्त कर सकते हैं। विद्यार्थी अपना आवेदन स्वयं के मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर या किसी कंप्यूटर सेंटर पर जाकर कर सकते हैं। विद्यार्थियों के आवेदन ऑनलाइन सत्यापित किए जाएंगे। विद्यार्थियों द्वारा रजिस्टर्ड किए गए मोबाइल नंबर पर यदि त्रुटि सुधार से संबंधित कोई मैसेज प्राप्त होता है तब तत्काल महाविद्यालय में जाकर त्रुटि सुधार आवश्यक रूप से करवा लें। स्नातक स्तर में प्रथम चरण में प्रवेश हेतु अंतिम तिथि 20 मई 2024 है। वही स्नातकोत्तर स्तर में प्रथम चरण में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 मई 2024 है। महाविद्यालय में एनएसएस, एनसीसी , स्पोर्ट्स की गतिविधियां संचालित की जाती हैं। मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न छात्रवृत्तियां पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, गांव की बेटी, प्रतिभा किरण, अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति, सेंट्रल सेक्टर छात्रवृत्ति, मेधावी छात्र योजना जनकल्याण योजना का भी लाभ विद्यार्थियों को दिया जाता है। प्रवेश से संबंधित कोई भी जानकारी ई प्रवेश के नोडल अधिकारी प्रोफेसर भगवत सिंह पाल एवं प्राचार्य डॉ.लालचंद राजपूत से से प्राप्त कर सकते हैं।

एबीसी आईडी बनवाना आवश्यक

नवीन प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत समस्त विद्यार्थियों को एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट आईडी (एबीसी आईडी) बनवाना आवश्यक है। इसके लिए विद्यार्थी का अंक सूची में नाम एवं जन्म तिथि आधार कार्ड से मिलना चाहिए। यदि किसी विद्यार्थी की अंकसूची एवं आधार कार्ड में भिन्नता है तब आधार कार्ड को अपडेट करवाना पढ रहा है। जिस कारण बच्चे परेषान हो रहे हैं।

युवा कांग्रेस ने भरी हुंकार मांगा जन समर्थन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शुक्रवार को सागर लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी के जन समर्थन में युवा कांग्रेस ने बाजार तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर जनता जनार्दन से कांग्रेस के लिए जन समर्थन मांगते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सागर लोकसभा चन्द्रभूषण सिंह बुन्देला के साथ क्षेत्र में जनसंपर्क किया वहीं जगह-जगह कांग्रेस प्रत्याशी गुड्डू राजा का शाल श्रीफल भेंटकर जोरदार स्वागत किया । युवा कांग्रेस के द्वारा युवा न्याय सम्मेलन मे का आयोजन करके सभी कार्यकर्ताओं को अपना बूथ सबसे मजबूत के साथ काम करने का नारा दिया। युवा कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र बघेल ने कहा कि सभी कार्यकर्ता कांग्रेस को जीतने के लिए तन मन धन से जुट जाएं कांग्रेस प्रत्याशी गुड्डू राजा ने सभी युवाओ से मुलाकात की और बूथ पर तैयारी को लेकर विशेष चर्चा की और युवाओ को दिशा निर्देश भी दिए ताकि बूथ पर किसी प्रकार की कोई कमी न रहे । उन्होने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी को अपनी हार नजर आ रही है जिस कारण से वह सागर लोकसभा मे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर तमाम बडे नेताओ की सभा करा रहे है। लेकिन जनता इस बार मन बना चुकी है और वह कांग्रेस के पक्ष मे मतदान करेगी जनता महंगाई और भ्रष्टाचार से त्रस्त है । इस दौरान पूर्व मंत्री प्रभूसिंह ठाकुर, युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष वैभव भारद्वाज , गगनेंद्र सिंह रघुवंशी सहित युवा कांग्रेस कमेटी के समस्त कार्यकर्ता मौजूद थे ।

कोलकाता ने दूसरे नंबर पर अपनी पोजिशन कर ली स्ट्रॉन्ग

आईपीएल: मुंबई प्लेऑफ रेस से 'आउट'

आज आरसीबी हो सकती है बाहर

मुंबई, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग में 51 मैच खत्म हो चुके हैं। शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुंबई इंडियंस को 24 रन से हराया। इसी के साथ मुंबई 17वें सीजन के प्लेऑफ से बाहर होने वाली पहली टीम बनी, टीम 9वें नंबर पर है। वहीं कोलकाता ने दूसरे नंबर पर अपनी सिचुएशन स्ट्रॉन्ग कर ली। शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स ने पहले बैटिंग करते हुए 19.5 ओवर में 10 विकेट खोकर 169 रन बनाए। मुंबई 18.5 ओवर में 145 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। मुंबई के अब 11 मैचों में महज 3 जीत और 8 हार से 6 ही पॉइंट्स हैं। टीम केवल रन रेट में बेहतर होने के कारण 10वें नंबर पर मौजूद आरसीबी से एक स्थान ऊपर 9वें स्थान पर है। कोलकाता को 10 मैचों में 7वीं जीत मिली, टीम ने महज 3 मुकाबले गंवाए हैं। केकेआर 14 पॉइंट्स के साथ पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर हैं।

कोलकाता ने वानखेड़े में 12 साल बाद हराया

5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ब्लुक्क-2024 की प्लेऑफ रेस से बाहर हो गई है। टीम को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 24 रन से हराया। कोलकाता ने वानखेड़े मैदान पर मुंबई को 12 साल बाद हराया। नाइट राइडर्स को इस मैदान पर मुंबई के खिलाफ आखिरी जीत 2012 में मिली थी। शुक्रवार को मुंबई ने होमग्राउंड में टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। कोलकाता 19.5 ओवर में 169 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में मुंबई 18.5 ओवर में 145 रन पर ऑलआउट हो गई। मिचेल स्टार्क ने 4 विकेट झटके, जबकि वेंकटेश अय्यर ने 52 बॉल पर 70 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

प्लेयर्स परफॉर्मेंस- मनीष पांडे की उपयोगी पारी,स्टार्क को 4 विकेट केकेआर से वेंकटेश अय्यर की फिफ्टी के अलावा, मनीष पांडे ने 31 बॉल पर 42 रन बनाए। नुवान थुषारा और जसप्रीत बुमराह ने 3-3 विकेट झटके। हार्दिक पंड्या को 2 विकेट मिले। एक विकेट पीयूष चावला के हिस्से आया। एमआई के लिए सूर्यकुमार यादव ने 35 बॉल पर 56 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। स्टार्क के अलावा, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन और आंद्रे रसेल को 2-2 विकेट मिले।

गुजरात के पास प्लेऑफ की आखिरी उम्मीदें बचीं

गुजरात टाइटंस के 10 मैचों में 4 जीत और 6 हार से 8 पॉइंट्स हैं। पॉइंट्स टेबल में सबसे खराब रन रेट के कारण टीम 8वें नंबर पर है। बेंगलुरु को हराने पर टीम 10 पॉइंट्स के साथ 7वें नंबर पर पहुंच जाएगी और अपने प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को बरकरार रखेगी। हारने पर टीम 9वें नंबर पर पहुंच जाएगी, इसके बाद उन्हें क्वालिफाई करने के लिए सभी मैच जीतने के साथ बाकी टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा।

आज ऑरेंज कैप ले सकते हैं विराट

सीएसके के ऋतुराज गायकवाड 509 रन बनाकर टॉप रन स्कोरर में पहले नंबर पर हैं। आज आरसीबी के विराट कोहली 10 रन बनाकर टॉप पर पहुंच जाएंगे। केकेआर के सुनील नरेन ने मुंबई के खिलाफ एक छक्का लगाया, इसी के साथ टूर्नामेंट के टॉप सिक्स हिटर में वह पांचवें नंबर पर पहुंच गए। नरेन के 25 छक्के हो गए। हेनरिक क्लासन पहले और अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर हैं। क्लासन के 31 और अभिषेक के 28 सिक्स हैं।

आज बाहर हो सकती है आरसीबी

17वें सीजन में गुजरात टाइटंस का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से बेंगलुरु में होगा। बेंगलुरु 10 मैचों में 3 जीत और 7 हार से 6 पॉइंट्स लेकर 10वें नंबर पर है। गुजरात को हराने पर टीम 8 पॉइंट्स के साथ 8वें नंबर पर पहुंच जाएगी। हारने पर आरसीबी भी मुंबई की तरह प्लेऑफ रेस से बाहर हो जाएगी।

बुमराह के पास पहुंची पर्पल कैप

मुंबई के जसप्रीत बुमराह ने कोलकाता के खिलाफ 3 विकेट लिए। इसी के साथ उनके टूर्नामेंट में 17 विकेट हो गए और वह टॉप विकेट टेकर में पहले नंबर पर पहुंच गए। एसआरएच के नटराजन 15 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर है।

बाउंड्री के बादशाह भी बन सकते हैं कोहली

टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा चौके भी ऋतुराज गायकवाड ने ही लगाए हैं, उनके नाम 10 मैचों में 53 चौके हैं। आज विराट कोहली 8 चौके लगाकर पहले नंबर पर पहुंच सकते हैं। केकेआर के फिल सॉल्ट 45 चौकों के साथ चौथे नंबर पर हैं।

एमआई की हार के कारण: हार्दिक पंड्या की कप्तानी मुकाबले के दौरान हार्दिक पंड्या ने खराब कप्तानी की। कोलकाता ने 6.1 ओवर में 57 रन पर 5 विकेट विकेट गंवा दिए थे। यहां बल्लेबाज दबाव में थे। पावरप्ले के बाद पंड्या ने पीयूष चावला के साथ नमन धीर से ओवर कराया। उन्होंने बीच के 4 ओवर स्पिनर्स से कराए। इन ओवर्स में चचक्रको वापसी का मौका मिला गया।
वेंकटेश-मनीष की अहम साझेदारी 57/5 स्कोर के बाद मुंबई के गेंदबाज समय पर वेंकटेश अय्यर और मनीष पांडे की पार्टनरशिप ब्रेक नहीं कर सके। दोनों ने छठे विकेट के लिए 62 बॉल पर 83 रन की साझेदारी कर डाली। इस साझेदारी ने कोलकाता को 140 के स्कोर तक पहुंच दिया। 17वें ओवर में खुद पंड्या ने यह साझेदारी तोड़ी।

निकल्स ने दागा एकमात्र विजयी गोल

दूसरे लेग का मुकाबला अब 8 मई को होगा

डोर्टमंड (जर्मनी), एजेंसी

मेजबान डोर्टमंड ने बुधवार रात खेले गए यूएफा चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल मुकाबले के पहले लेग में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को 1-0 से शिकस्त दी। अपने घरेलू मैदान पर मिली जीत के साथ डोर्टमंड ने 11 साल के बाद चैंपियंस लीग के फाइनल में जगह बनाने की ओर मजबूती से कदम बढ़ा दिए हैं। अब दूसरे लेग का मुकाबला आठ मई को खेला जाएगा। पीएसजी को यदि फाइनल में पहुंचना है तो उसे बड़े अंतर से यह मुकाबला जीतना होगा। पीएसजी के लिए आखिरी सीजन खेल रहे स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे ने बड़े मैच में निराश किया। फ्रेंच लीग-1 में 28 मैचों में 26 गोल ठोकने वाले एम्बाप्पे डोर्टमंड के खिलाफ लय में नहीं दिखे और उन्होंने गोल करने के कई मौके भी गंवाए। इस सीजन एम्बाप्पे के नाम यूएफा चैंपियंस लीग में 11 मैचों में आठ गोल हैं। मैच खत्म होने के बाद एम्बाप्पे साथी खिलाड़ियों के साथ टीम बस में नजर नहीं आए। रिपोर्ट के तहत, मैच के बाद एम्बाप्पे को औपचारिक डोप टेस्ट के लिए कुछ देर तक रुकना पड़ा। इसके बाद वह प्राइवेट कार के जरिए एयरपोर्ट पहुंचे।

निकल्स ने 36वें मिनट में दिलाई बढ़त

जर्मनी के 31 वर्षीय निकल्स फुलकुर्ग डोर्टमंड टीम की जीत के हीरो रहे। दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली लेकिन मैच के 36वें मिनट में निकल्स ने पीएसजी के डिफेंस में सेंध लगाते हुए शानदार गोल दागा। निकल्स ने यूएफा चैंपियंस लीग के इस सीजन 11 मैचों में कुल तीन गोल किए और तीन गोल करने में अहम भूमिका निभाई। डोर्टमंड ने 2011 के बाद पहली बार लगातार दो मुकाबले नॉकआउट में जीते हैं।

मैड्रिड ओपन टेनिस: रूसी खिलाड़ी पुरुष एकल के सेमीफाइनल में पहुंचे

रुब्लेव ने गत चैंपियन अल्कारेज का खिताबी हैट्रिक बनाने का सपना तोड़ा

मैड्रिड, एजेंसी

स्पेन के दूसरी वरीय खिलाड़ी और मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्कारेज का लगातार तीसरी बार मैड्रिड ओपन खिताब जीतने का सपना टूट गया है। बुधवार रात खेले गए पुरुष एकल के क्वार्टरफाइनल में अल्कारेज को रूस के सातवीं वरीय खिलाड़ी आंद्रेव रुब्लेव ने तीन सेट तक चले मुकाबले में 6-4, 3-6, 2-6 से शिकस्त दी। 20 वर्षीय अल्कारेज खिताबी हैट्रिक बना लेते तो वह यह कमाल करने वाले पहले खिलाड़ी बन जाते। वहीं, सेमीफाइनल में रुब्लेव का मुकाबला अब अमरीका के 12वीं वरीय खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज से होगा। मैच सबालेंका ने कुल रिबाकिना से खेले, 5 जीते, 3 हारे

मैड्रिड ओपन में महिला एकल का सेमीफाइनल मौजूदा चैंपियन आर्यना सबालेंका और कजाकिस्तान की एलेना रिबाकिना के बीच खेला जाएगा। बेलारूस की दूसरी वरीय सबालेंका ने क्वार्टरफाइनल में रूस की 17 वर्षीय खिलाड़ी मीरा आद्रिवा को 6-1, 6-4 से हराया। चौथी वरीय रिबाकिना ने हमवतन यूलिया पुतिन्सेव को 4-6, 7-6, 7-5 से शिकस्त दी। दूसरे सेमीफाइनल में टॉप सीड इगा स्विटेक ने अमरीका की मेडिसन कीज को शिकस्त दी।

किंग्स कप फुटबॉल: सेमीफाइनल में अल खलीज को 3-1 से दी मात, अल नासर फाइनल में

रियाद, एजेंसी

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल की बदौलत अल नासर ने खेले गए मैच में अल खलीज को 3-1 से हराया और किंग्स कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अल नासर का मुकाबला 31 मई को फाइनल में सऊदी प्रो लीग की शीर्ष टीम व सऊदी सुपर कप विजेता अल हिलाल से होगा, जिसने सेमीफाइनल में अल इत्तिहाद को 2-1 से हराया था। अल नासर के लिए रोनाल्डो ने 17वें और 57वें मिनट में गोल दागे।

34 साल से इंतजार: अल नासर की टीम को किंग्स कप जीतने का 1990 से इंतजार है। छह बार की पूर्व चैंपियन अल नासर ने आखिरी बार 1990 में किंग्स कप खिताब अपने नाम किया था।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों को दी जाने वाली फीस से खुश नहीं लारा दत्ता, वेतन पर फूटा गुस्सा

लारा दत्ता इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों को दिए जाने वाली फीस से कुछ खास खुश नहीं हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने हिंदी सिनेमा में वेतन असमानता को लेकर खुलकर बात की है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है। बॉलीवुड अभिनेत्री लारा दत्ता इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। उन्होंने अपने करियर में कई शानदार किरदार निभाए हैं। हालांकि, लारा दत्ता इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों को दिए जाने वाली फीस से कुछ खास खुश नहीं हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने हिंदी सिनेमा में वेतन असमानता को लेकर खुलकर बात की है। हाल ही में, एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने खुलासा किया कि महिलाएं इंडस्ट्री में अपने कई पुरुष कलाकारों की तुलना में कड़ी मेहनत करती हैं फिर भी ज्यादातर महिलाएं भाग्यशाली हैं कि उन्हें पुरुष अभिनेताओं को मिलने वाले वेतन का दसवां हिस्सा मिलता है। लारा दत्ता ने बताया कि वे प्रक्रिया में हैं और बहुत सारी महिलाएं हैं, जो इस धारणा में बदलाव करने की कोशिश कर रही हैं उन्होंने कहा कि पहले, यह सोचा जाता था कि जब आप 30 वर्ष की उम्र तक पहुंचते हैं, तो आपके लिए घर बसाने का समय आ जाता है क्योंकि आपका करियर खत्म हो जाता है। इस बीच, लारा दत्ता नितेश तिवारी की रामायण में कैकेयी की भूमिका को लेकर भी काफी चर्चा में चल रही हैं।

सीरियल किलर की तलाश में जुटे विजय राज-आशुतोष राणा

बॉलीवुड के दो दिग्गज कलाकार आशुतोष राणा और विजय राज जल्द ही फिजियोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर सीरीज 'मर्डर इन माहिम' में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। आज शुक्रवार को जियो सिनेमा ने सीरीज का ट्रेलर जारी किया गया, जिसे देख दर्शकों का उत्साह बढ़ गया। मर्डर इन माहिम को एक सामाजिक टिप्पणी माना जा रहा है, जो खौफनाक मर्डर मिस्ट्री और मुंबई की गुत्थी को उजागर करती है, जिसमें पीटर के रूप में आशुतोष राणा और जेंडे के किरदार में विजय राज के बीच खोई हुई दोस्ती के मेल-मिलाप को दिखाया गया है। राजनीति- बालाकोट और बियॉन्ड की रिकॉर्ड-तोड़ सफलता के एक हफ्ते के भीतर जियो सिनेमा 10 मई को एक और मूल सीरीज 'मर्डर इन माहिम' लॉन्च करने के लिए तैयार है। लेखक जेरी पिंटो की समीक्षकों द्वारा प्रशंसित पुस्तक से अनुकूलित मनोरंजक सीरीज राज आचार्य द्वारा निर्देशित है और टिपिंग प्वाइंट फिल्म्स और जिग्स पिक्चर्स द्वारा बनाई गई है। इसमें शिवानी रघुवंशी और शिवाजी साटम भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। माहिम स्टेशन पर एक भयानक हत्या की पृष्ठभूमि पर आधारित सीरीज में पीटर को इस भयावह जांच में उलझा हुआ दिखाया गया है। मुश्किलें तब बढ़ जाती हैं, जब उसका अपना बेटा सुनील इस मामले में संदिग्ध बन जाता है। इस सबके बीच पीटर और जेंडे गुप्त इच्छाओं, ब्लैकमेल और अनकहे प्यार की दुनिया में फंस जाते हैं।

भूमिका को तवज्जो देती हैं यामी गौतम, बोलीं- सिर्फ मशहूर होना मेरा मकसद नहीं

यामी गौतम इंडस्ट्री की चर्चित अदाकारा हैं। उन्होंने कई चर्चित फिल्मों में काम किया है, इसके अलावा ओटीटी पर भी उनका दबदबा दिखा है। हर नए किरदार में वह खुद को बखूबी ढालने में माहिर हैं। बीते दिनों आई उनकी फिल्म 'आर्टिकल 370' खूब पसंद की गई। हाल ही में यामी ने पारंपरिक सिनेमा और ओटीटी प्लेटफॉर्म के बीच चल रही मौजूदा चर्चा पर अपने विचार साझा किए। कुछ कलाकार माध्यम को प्राथमिकता देते हैं। मगर, उन सभी के विपरीत यामी गौतम की प्राथमिकता उनकी भूमिकाएं रही हैं, जिन्हें वे अब तक निभाती रही हैं। यामी का कहना है, मैंने कभी भी अपनी कोई फिल्म यह सोचकर नहीं चुनी कि यह ओटीटी या थिएटर के लिए बहुत अच्छी है। मैंने उन्हें उस तरह से चुना जैसे वे थीं और जो भूमिकाएं मैं निभाना चाहती थी। यामी गौतम ने ओटीटी प्लेटफॉर्म की मौजूदगी के बीच बड़े पर्दे के प्रति अपना लगाव जाहिर किया। उन्होंने स्वीकार किया कि खुद को सिनेमाघरों में देखना उनके दिल के करीब का मामला रहा है। अभिनेत्री ने कहा कि उस क्षण में कुछ खास होता है, जब रोशनी कम हो जाती है, प्रोजेक्टर चालू हो जाता है और दर्शक सिर्फ और सिर्फ उस फिल्म का लुत्फ उठाते हैं। काम के प्रति जुनून और कला के प्रति यामी के मन में जो सम्मान है, वह याद दिलाता है कि सिनेमा स्क्रीन और किसी भी माध्यम से परे होता है। यामी गौतम का कहना है कि वह अपने आगामी प्रोजेक्ट्स के लिए कहानी कहने के नए तरीकों को आजमाने के लिए भी तैयार हैं। इंडस्ट्री में आए बदलाव के साथ वह अलग रास्ते अपनाने की भी इच्छुक हैं।

मेट्रो बाजार

चावल-मसालों और डेयरी सहित अन्य उत्पादों की भी होगी जांच

मुंबई, एजेंसी

एमडीएच और एवरेस्ट मसालों के मामले सामने आने के बाद खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने घरेलू बाजार में बेचे जाने वाले फोर्टिफाइड चावल, डेयरी उत्पादों व मसालों जैसे अन्य खाद्य पदार्थों की जांच शुरू करने की योजना बनाई है। फल व सब्जियों, मछली उत्पादों में साल्मोनेला जैसे खाद्य पदार्थों की भी निगरानी की जा सकती है। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) मसाला, जड़ी-बूटियां, दूध और दूध से बने उत्पादों को भी जांच के दायरे में लाएगा। सिंगापुर और हांगकांग की गुणवत्ता संबंधी चिंताओं को देखते हुए एफएसएसएआई पहले से ही एमडीएच और एवरेस्ट सहित सभी ब्रांडों के मसालों के नमूने ले रहा है। सभी मसालों के नमूने इसलिए लिए जा रहे हैं, ताकि यह जांचा जा सके कि वे एफएसएसएआई मानदंडों को पूरा करते हैं या नहीं। पिछले हफ्ते एफएसएसएआई ने कहा था कि वह नेस्ले के सेरेलैक के नमूने एकत्र करने की प्रक्रिया में है। दावा है कि कंपनी उत्पाद में ज्यादा चीनी का उपयोग कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में विश्लेषण किए गए नमूनों की संख्या 2020-21 में 1,07,829 से बढ़कर 2023-24 में 4,51,000 से अधिक हो गई है। इस आधार पर तीन गुना ज्यादा नमूने लिए गए हैं। 2020-21 में 1,07,829 नमूने लिए गए। 2021-22 में 1,44,345 नमूनों का विश्लेषण किया गया। 2022-23 में 1,77,511 नमूनों का विश्लेषण किया गया।

एसबीआई लाइफ का 38,238 करोड़ रुपये का न्यू बिजनेस प्रीमियम

नईदिल्ली,एजेंसी। देश की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान 38,238 करोड़ रुपये का न्यू बिजनेस प्रीमियम दर्ज किया, जबकि 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के दौरान यह 29,589 करोड़ रुपये था। पिछले वर्ष की तुलना में सिंगल प्रीमियम में 44त्न की वृद्धि हुई है। सुरक्षा पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए, एसबीआई लाइफ का न्यू बिजनेस प्रीमियम 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए 4,165 करोड़ रुपये रहा, जो 15त्न की वृद्धि दर्शाता है। सुरक्षा व्यक्तिगत न्यू बिजनेस प्रीमियम 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए 951 करोड़ रुपये रहा। व्यक्तिगत नया व्यवसाय प्रीमियम पिछले वर्ष की तुलना में 14 फीसदी वृद्धि के साथ 23,832 करोड़ रुपये रहा। 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए एसबीआई लाइफ का कर पश्चात लाभ 1,894 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का सॉल्वेंसी अनुपात 31 मार्च, 2024 तक 1.96 पर मजबूत बना हुआ है, जबकि नियामक आवश्यकता 1.50 है। एसबीआई लाइफ का एयूएम भी 31 मार्च, 2023 को 3,07,339 करोड़ की तुलना में 27 फीसदी बढ़कर 31 मार्च, 2024 को 3,88,923 करोड़ रुपये हो गया, जिसमें 64:36 का ऋण-इक्विटी मिश्रण है। 95 फीसदी से अधिक ऋण निवेश एएए और सॉवरेन इंस्ट्रूमेंट्स में हैं। कंपनी के पास 3,16,038 प्रशिक्षित बीमा पेशेवरों का एक व्यापक वितरण नेटवर्क है और देश भर में 1,040 कार्यालयों के साथ इसकी व्यापक उपस्थिति है।

अनाथ युवती से होटल में दुष्कर्म, विरोध करने पर पीटा, दांत से काटा

हॉस्टल की वार्डन ने देखे मारपीट के घाव, गौरवी में काउंसलिंग कराई

भोपाल, दोपहर मेट्रो। हबीबगंज की होटल में एक अनाथ युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने परिचय होने के बाद उसे मिलने बुलाया था और वहां जबरन शारीरिक संबंध बनाए। युवती ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके शरीर को दांत से कुछ जगह काट लिया और नाखून से नोचा भी है। डरी सहमी युवती हॉस्टल पहुंची तो उसकी हालत देखकर वार्डन ने पूछताछ की थी। इसके बाद मामला थाने पहुंचा। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ बलात्कार, मारपीट समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 20 साल की अनाथ युवती एक होस्टल में रहती है और शापिंग मॉल में काम करती है। कुछ महीने पहले एक सहेली के माध्यम से उसकी पहचान आकाश ठाकुर से हुई। इसके बाद दोनों में दोस्ती हो गई। गत 30 अप्रैल की रात आकाश ने युवती को मिलने के लिए हबीबगंज बुलाया। युवती मिलने गई तो वह उसे होटल लेकर पहुंचा। वहां आकाश ने युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास किया। युवती ने उसका विरोध किया तो आरोपी ने उससे मारपीट कर दी।

बार- बार शारीरिक संबंध बनाने के बाद होटल के बाहर छोड़ा

मारपीट के बाद आकाश ने पीड़िता के साथ बार बार संबंध बनाए। इस दौरान आरोपी ने उसके शरीर पर कई जगह दांत से काटा और नाखून से नोचा भी था। हैवानियत की सारी हदें पार करने के बाद आरोपी ने युवती को बेसुध अवस्था में होटल के बाहर छोड़ दिया। डरी-सहमी युवती अपने होस्टल पहुंची, लेकिन किसी को कुछ नहीं बताया।

वार्डन ने यह बात होस्टल संचालिका को बताई

वार्डन ने युवती को देखा तो उसके चेहरे और हाथ पर चोट के निशान नजर आए। वार्डन के पूछने पर युवती ने अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी, लेकिन शिकायत करने के लिए तैयार नहीं हुई। वार्डन ने यह बात होस्टल संचालिका को बताई। संचालिका के कहने पर वार्डन पीड़िता को लेकर गौरवी संस्था पहुंची। गौरवी में युवती की काउंसिलिंग कराई गई। इसके बाद गुरुवार रात पीड़िता ने हबीबगंज थाने जाकर आकाश ठाकुर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

एसआईटी नहीं पहुंची किसी भी नतीजे पर

कई बार सीसीटीवी फुटेज देख, फिर भी कुछ नहीं मिला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित ज्ञानगंगा आर्किड इंटरनेशनल स्कूल के हास्टल में आठ साल की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में एसआईटी अब भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। शिकायत के चार दिन बाद भी एसआईटी आरोपियों के नाम का पता नहीं लगा सकी है। शुक्रवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एसआईटी की टीम एक बार फिर से स्कूल पहुंची और हास्टल पहुंची और कर्मचारियों से पूछताछ की। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज भी दोबारा से देखे जा रहे हैं, लेकिन फुटेज में संचालक मोदी नजर नहीं आए।

उल्लेखनीय है कि आठ साल की बच्ची का पिछले महीने की 19 अप्रैल को बोर्डिंग स्कूल में एडमिशन हुआ था। दस दिन बाद 29 अप्रैल को मां उसे स्कूल से लेकर आई तो बेटी ने बताया कि उसके साथ गंदी हरकत हुई है। 30 अप्रैल को मां की शिकायत पर पर पुलिस ने स्कूल के तीन अज्ञात कर्मचारियों के खिलाफ दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज हुआ है। निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया था। मां-बेटी ने कोर्ट में दिए बयानों में भी अपनी बात को दोहराया था। पीड़ित बच्ची का दो बार मेडिकल परीक्षण कराया गया, लेकिन दोनों रिपोर्ट में विरोधाभास सामने आया। इस पर एसआईटी ने मेडिकल बोर्ड से बच्ची का मेडिकल कराया, लेकिन इस रिपोर्ट से भी पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंची।

दोबारा नए सिरे से शुरू हुई जांच

शुक्रवार को डीसीपी एसआईटी के साथ दोबारा स्कूल पहुंची और घटनास्थल के निरीक्षण किया। स्कूल में मौजूद कर्मचारियों से घटना को लेकर पूछताछ की गई। स्कूल से जब्त किए गए डीवीआर की जांच में संदेहियों का मूवमेंट हास्टल की तरफ नहीं मिला था, इसलिए सीसीटीवी कैमरों की दोबारा से जांच की जा रही है। चार दिन बाद एसआईटी उन आरोपियों की पहचान सुनिश्चत नहीं कर पाई है, जिन पर दरिंदगी करने के आरोप लगाए गए थे। यहां तक कि संदेहियों से किसी प्रकार की पूछताछ भी नहीं की गई है। इधर पीड़ित परिवार के साथ लगातार पूछताछ चल रही है। इतनी छोटी बच्ची को बोर्डिंग स्कूल में दाखिल करवाने के कारण जानने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बेटा सुबह उठकर चला गया कोचिंग, दोपहर में लौटा तो लगी मौत की खबर

बेटे के बगल में सो रहे पिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एमपी नगर जोन टू में प्रगति पेट्रोल पंप के पास ब्वायज हॉस्टल में अधेड़ उम्र के व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वे बेटे के साथ हॉस्टल में थे और रात में सो रहे थे। इस बात से अंजान बेटा कि पिता की मौत हो चुकी है। सुबह उठकर कोचिंग चला गया। वहां से दोपहर करीब ढाई बजे हॉस्टल लौटा तो उसे पिता की मौत की जानकारी लगी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। एएसआई अजीम शेरखान ने बताया कि अखिलेश कुमार गुप्ता पिता राम नारायण गुप्ता (50) दीनदयाल कॉलोनी, बैरसिया में रहते थे। उनका 19 साल का बेटा देवांश गुप्ता इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है और प्रगति पेट्रोल पंप के पास ब्वायज हॉस्टल में रह रहा है। पिता अखिलेश भी उसके साथ हॉस्टल में देवांश के साथ रह रहे थे। देवांश ने पुलिस को बताया कि गुरुवार रात पिता ने खाना खाया और सो गए थे। वह भी पिता के बगल में सो गया। कल शुक्रवार सुबह देवांश की नींद खुली और वह तैयार होकर कोचिंग चला गया। उसे लगा कि पिता सो रहे हैं और उसने उठाने का प्रयास नहीं किया। कोचिंग से करीब ढाई बजे देवांश घर पहुंचा तो भी पिता उसी स्थिति में नजर आई जिस स्थिति में सुबह सोए हुए थे। उसे अनहोनी की आशंका हुई और उसने पिता को उठाने का प्रयास किया, लेकिन पिता के शरीर में कोई भी हलचल नहीं हुई। देवांश ने अपने मौसा को घटना की जानकारी दी। मौसा मौके पर पहुंचे और अखिलेश गुप्ता को अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि उनकी काफी समय पहले ही मौत हो चुकी है। लाश देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि रात में ही उनकी हार्ट अटैक से मृत्यु हुई है।

11 महीने की बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

मां ने फीडिंग कराने के बाद सुला दिया था, शरीर में नहीं हुई हलचल तो अस्पताल लेकर पहुंचे थे परिजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार थाना क्षेत्र स्थित वेस्टर्न कॉलोनी की निर्माणाधीन बिल्डिंग में झुग्गी बनाकर रह रहे परिवार की 11 महीने की बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दरअसल, मां ने रात में उसे फिडिंग कराई थी और इसके बाद सुला दिया। देर रात करीब दो बजे के आसपास बच्ची के शरीर में हलचल नहीं हुई तो परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है।

एएसआई सुनील त्रिपाठी ने बताया कि गोविंद रजक मूलतः दमोह के रहने वाले हैं। वे और उनकी पत्नी वेस्टर्न कॉलोनी की निर्माणाधीन बिल्डिंग में काम करते हैं। परिवार ने यहीं निर्माणाधीन कॉलोनी में झुग्गी बना ली है। गोविंद ने पुलिस को बताया कि उसकी 11 महीने की बेटी मानसी रजक थी।

रात में करीब 12 बजे के आसपास पत्नी ने मानसी को फिडिंग कराई और सुला दिया था। रात करीब दो बजे के आसपास पत्नी की नींद खुली तो मानसी के शरीर में हलचल नहीं हुई। बच्ची को नींद से जगाने का प्रयास किया गया, लेकिन शरीर में कोई हलचल नहीं हो रही थी। देर रात परिजन मानसी को लेकर निजी अस्पताल पहुंचे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया।

शरीर पर लाल दाने

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मानसी का शव बरामद कर पीएम के लिए पहुंचा दिया था। परिजन पीएम कराना नहीं चाहते थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें समझाइश दी और वह पीएम के लिए मान गए। पुलिस ने बताया कि बच्ची के शरीर पर लाल चिट्ठे हो गए थे। अनुमान है कि उसकी तबीयत बिगड़ी हुई थी। इसके अलावा यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि सांस नली में दूध फंसने से मानसी की मौत हुई है। पुलिस को बच्ची के शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

माचिस से खेल रही तीन साल की बच्ची आग से झुलसी मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित विद्या नगर में गत महीने आग से झुलसी तीन साल की बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के समय बच्ची माचिस से खेल रही थी। खेल खेल में माचिस जली और पन्नी में आग लगने से बच्ची भी झुलस गई थी। परिजन उसका नागपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज करा रहे थे। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार काजल पिता अंतुलाल कोसमे (3) मूलत- तहसील जुन्नारदेव, जिला छिंदवाड़ा की थी। उसके माता पिता यहां पंकज सोनी के निर्माणाधीन मकान में काम कर रहे थे और यहीं झुग्गी बनाकर रह रहे थे। गत 18 अप्रैल को बेबी काजल माचिस से खेल रही थी। खेलते समय माचिस की तीली से पन्नी में आग लगी और पन्नी कीआग के चपेट में आने से काजल गंभीर रूप से झुलस गई। उसे इलाज के लिए परिजन निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने के कारण परिजन काजल को लेकर महाराष्ट्र ले गए और नागपुर मेडिकल कॉलेज में काजल का इलाज करा रहे थे। गत दिनों इलाज के दौरान काजल की मौत हो गई। महाराष्ट्र पुलिस ने मर्ग कायम कर मर्ग डायरी बागसेवनिया पुलिस को भेज दी है।

मसालों के 11 नमूने लिए, धरपकड़ तेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इस समय खाद्य शाखा मसालों की मिलावट पर सत है। बीते दिनों टीम ने मसालों के 11 नमूने लिए। काली परेड इंडस्ट्रीयल एरिया तथा गोविंदपुरा इंडस्ट्रीयल एरिया में ये केंद्र संचालित हो रहे है। यहां मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, गरम मसाला, किचिन किंग मसाला, छोला मसाला के कुल 11 नमूने लिए। एफएसएसएआई द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत मसालों में अन्य सामान्य जांच के साथ एथिलीन ऑक्साइड की उपस्थिति की जांच भी की जाएगी। इन नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। इपीए, इथिलीन ऑक्साइड कार्सिनोजेनिक गुणों से भरपूर है।

मैरिज गार्डन के स्वीमिंग पूल में गिरे बच्चे, एक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

परिवार के साथ शादी समारोह में शामिल होने आए दो बच्चे स्वीमिंग पूल में गिर गए। इसमें एक की मौत हो गई, दूसरी बच्ची गंभीर रूप से घायल है, जो हमीदिया में वेंटिलेटर पर है। कोहेफिजा पुलिस ने बताया कि हलालपुर स्थित स्वागत मैरिज गार्डन में शादी समारोह चल रहा था। तभी दो बच्चे स्वीमिंग पूल में गिर गए, जिसमें उज्जैन निवासी कामिल पिता मुस्तक (5) की डूबने से मौत हो गई वहीं लीज़ा पिता मोहमद सादिक मंसूरी (5) निवासी शाजापुर को गंभीर हालत में हमीदिया में भर्ती कराया गया है। रात 8 बजे सूचना पर मौके पर पहुंची कोहेफिजा पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

मेट्रो एंकर डिपो चौराहा पर न्यू एमएलए क्वार्टर की घटना, पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

नौकर ने 62 साल की बुजुर्ग महिला को किचन में बनाया बंधक, मोबाइल और 5 हजार लेकर भागा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित न्यू एमएलएक्वार्टर में नौकर द्वारा 62 साल की बुजुर्ग महिला को बंधक बनाकर चोरी का मामला सामने आया है। आरोपी नौकर किचन में बुजुर्ग को बंधक बनाने के बाद उनके कमरे से एक मोबाइल और पांच हजार रुपए की नगदी लेकर भागा है। पुलिस ने बुजुर्ग महिला की शिकायत पर बंधक बनाकर चोरी करने का मामला दर्ज कर नौकर की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार 62 साल की विश्वात्मा सक्सेना न्यू एमएल क्वार्टर, जवाहर चौक पर रहती हैं। उनके साथ उनके 102 साल के पिता रहते हैं। परिवार में बुजुर्ग विश्वात्मा सक्सेना और उनके पिता के अलावा बेटी हैं, लेकिन दो दिन पहले ही बेटी मुंबई गई हुई है। दरअसल, बेटी अभी तक वर्क फ्रॉम होम पर थी और अब दफ्तर जाना पड़ रहा है लिहाजा वह मुंबई चली गई।

शोर मचाने पर पहुंचे पड़ोसी

देर रात हुई इस घटना के बाद विश्वात्मा सक्सेना ने शोर मचाया तो आसपास के लोग इकट्ठा हो गए थे। उन्होंने किचन का दरवाजा खोला था। इसके बाद विश्वात्मा सक्सेना ने उन्हें नौकर की करतूत के बारे में बताया। सुबह विश्वात्मा सक्सेना थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई।

किचन में धुंआ निकलता देखा

बुजुर्ग मां और नाना की देखरेख के लिए बेटी ने गुलाबगंज निवासी महेंद्र सेन को सवा महीने पहले ही केयर टेकर बतौर रखा था। विश्वात्मा सक्सेना ने पुलिस को बताया कि गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब सवा 1 बजे के आसपास महेंद्र किचन में था। किचन से धुंआ निकल रहा था। उन्होंने नौकर को आवाज दी। वह कहने लगा कि चाय बना रहा हूं और कपड़े में आग लग गई। विश्वात्मा सक्सेना किचन में पहुंची और पास ही रखी बाल्टी का पानी जलते हुए कपड़े पर डालकर आग बुझाई। इसी बीच आरोपी नौकर ने किचन का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। विश्वात्मा को किचन में बंद करने के बाद आरोपी कमरे में रखा मोबाइल और पांच हजार रुपए की नगदी लेकर भाग निकला।

अनुष्ठान के नाम पर बीटेक की छात्रा से दुष्कर्म, मां दादी और चाची के जेवर हड़पे

परिचित सहित ढोंगी बाबा और अन्य पर मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित रत्नागिरी के एक होटल में बीटेक सेकंड ईयर की छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दरअसल बीटेक की छात्रा यूपीएससी की परीक्षा पास करना चाहती थी। इसी का फायदा उठाकर परिचित ने अनुष्ठान के नाम पर छात्रा से उसके साथ ही मां दादी और चाची जेवरात हड़प लिए। इस पूरी धोखाधड़ी में परिचित ने ढोंगी बाबा और अन्य साथियों की मदद ली। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है जबकि परिचित के खिलाफ बलात्कार और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 21 साल की युवती इलाके में रहती है और बीटेक सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रही है। उसकी पहचान इलाके में रहने वाले अभिषेक जाट से थी। युवती और अभिषेक के बीच गहरी दोस्ती थी। अभिषेक युवती के समक्ष शादी का प्रस्ताव रखा। युवती ने उसका प्रस्ताव यह कहते हुए ठुकरा दिया कि वह यूपीएससी की परीक्षा पास करने के बाद ही शादी करेगी।

यूपीएससी पास करने कराया अनुष्ठान

पीड़िता के परिचित अभिषेक जाट ने पीड़िता से कहा की उसके एक गुरुजी है और वह अनुष्ठान करते हैं। उनके अनुष्ठान से अब तक कई लोगों को फायदा हो चुका है। अनुष्ठान से यूपीएससी परीक्षा पास करने में मदद मिलेगी। इसके बाद अपने गुरु जी से मोबाइल पर बातचीत कराई थी।

कलश में भरकर लिए जेवर

अभिषेक जाट ने कहा कि अनुष्ठान के लिए एक कलश की जरूरत पड़ेगी। इस कलश में सोने के जेवर भरने होंगे और अनुष्ठान करना होगा। अभिषेक की बातों में आकर पीड़िता ने घर से अपनी मां दादी और चाची के जेवर बिना पूछे निकाल लिए और कलश में भरकर अभिषेक और उसके दोस्तों के साथ अनुष्ठान कराया। इस दौरान ढोंगी बाबा फोन पर अनुष्ठान की प्रक्रिया बताता रहा।

अनुष्ठान के बाद दुष्कर्म

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि मई 2022 को अनुष्ठान के बाद अभिषेक ने कहा था शाम तक जेवर मिल जाएंगे। इसके बाद आरोपी उसे एक होटल में लेकर पहुंचा और उससे शारीरिक संबंध बनाएं। आरोपी ने कहा यूपीएससी की परीक्षा पास करते ही शादी कर लेंगे।

ऐसे हुआ खुलासा

गत दिनों परिजन को घर में जेवर नहीं दिखे तो परिजन जेवर के बारे में घर के सभी सदस्यों से बातचीत की। इस दौरान पीड़िता से भी बातचीत की गई। पीड़िता ने पहले तो झूठ बोला लेकिन बाद में सच्चाई बता दी। परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022